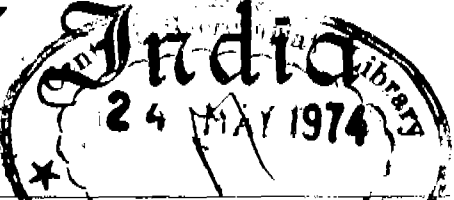




भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 50]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 15, 1973 (अप्रहायण 24, C.1895)

No. 50]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 15, 1973 (AURHAYANA 24, 1895)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

(PART III—SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 नवम्बर 1973

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-1:—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० पी० सतकर्तारिया ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/73-प्रशासन-1 दिनांक 8 अक्टूबर, 1973 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड 1 में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 3 अक्टूबर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० पी० सतकर्तारिया ने 3 अक्टूबर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एस० आर० भागवत,
अवर सचिव,
प्रशासन प्रभारी

मंत्रिमंडल सचिवालय

प्रवर्तन निदेशालय,

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1973

नियुक्ति

फा० सं० ए०-11/47/73:—श्री डब्ल्यू० एस० बैनर्गीकर, को प्रवर्तन निदेशालय के खम्बई क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 9 जुलाई, 1973 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 29 सितम्बर 1973

फा० सं० ए०-11/52/73:—श्री एम० एम० आर० वायू गोमा शुल्क अधिकारी, पाथर, नई दिल्ली को प्रवर्तन निदेशालय के श्रीनगर उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 7 सितम्बर, 1973 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

ए० के० घोष,
निदेशक

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1973

सं० एस०-30/72-प्रशासन-5:—पश्चिम बंगाल राज्य से प्रतिनियुक्त श्री एस० के० मुखर्जी, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, आर्थिक अपराध स्कंध, कलकत्ता की सेवाएं दिनांक 1 अक्टूबर, 1973 (पूर्वाह्न) से पश्चिम बंगाल सरकार को वापिस सौंपी जाती हैं।

गुलजारी लाल भगवाण,

प्रशासन अधिकारी

(स्था०), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महा निरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक नवम्बर 1973

सं० ई०-16013(2)/10/73-प्रशासन-1:—हरियाणा से प्रतिनियुक्त पर स्थानान्तरित होने पर, श्री हंस राज स्वान, आई० पी० एस० (हरियाणा-1957), ने दिनांक 12 नवम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सहायक महानिरीक्षक पद का कार्यभार संभाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

एल० एस० विष्ट,

महानिरीक्षक

कार्यालय, भारत के महा पंजीकार

नई दिल्ली-11, दिनांक 1973

सं० 25/32/73-आर० जी० (ए० डी०-1):—राष्ट्रपति श्री डब्ल्यू सैजा को, जो लकादीव, मिनीकाय एवं अमीनीदीव द्विप समूह के प्रशासक हैं, दिनांक 22 मई, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश प्रेषित होने तक लकादीव, मिनीकाय एवं अमीनीदीव द्विप समूह के जनगणना निदेशक के पद पर पदेन रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 25/13/71-आर० जी० (ए० डी०-1):—उत्तर प्रदेश के जनगणना निदेशक के कार्यालय में उपनिवेशक (आँकड़े प्रक्रिया) के पद से वापसी के फलस्वरूप श्री एम० पी० राव दिनांक 9 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश प्रेषित होने तक भारत में महा-पंजीकार के कार्यालय में प्रोग्रामर के पद भार को अस्थायी रूप से ग्रहण किया।

रा० भ० चारी,

भारत के उप-महापंजीकार एवं पदेन,
उप-सचिव

राष्ट्रीय पुलिस अकादमी,

आबू, दिनांक 23 नवम्बर 1973

सं० 41/11/73 स्थापना:—गृह मंत्रालय, भारत सरकार के मुख्य सुरक्षा अधिकारी के पद से स्थानान्तरित होकर, हरियाणा

राज सेवा संघर्ष के श्री हरपाल सिंह, आई० पी० एस० ने राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में दिनांक 21 नवम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से उप निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया।

श्री ग० गोखले, निदेशक

भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग

श्रीनगर, दिनांक

1973

सं० —:—महालेखाकार जम्मू व कश्मीर ने आगामी आवेश तक के लिए इस कार्यालय के अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री कृष्ण देव शर्मा को 3 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० —:—महालेखाकार जम्मू व कश्मीर ने आगामी आवेश तक के लिए इस कार्यालय के अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री लक्सा कौल बली को 3 नवम्बर, 1972 के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एस० जे० एस०, अहलूवालिया
वरिष्ठ उप-महालेखाकार,
(प्रशासन तथा अधिकरण)

महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व कार्यालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 नवम्बर 1973

सं० प्रशासन 1/5/प्रमोशन/70-74/2116:—श्रीमन् महा-लेखाकार केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्नलिखित अनुभागाधिकारियों/भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक कार्यालय के सहायक अधीक्षकों, जो “प्रोफोम” स्वरूप इस कार्यालय को आवंटित किये गये हैं, को समय-वैतनमान 590-30-830-35-900 में प्रत्येक के समक्ष अंकित तिथियों से अगले आवेश होने तक लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर कार्य करने हेतु सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

पदोन्नत होने वाले व्यक्ति का
नाम

लेखाधिकारी
के रूप में पदोन्नति
की तिथि

1. श्री डी० एन० बोहगारा (स्थायी अनु-
भागाधिकारी) 6-11-1973 पूर्वाह्न
2. श्री नरेन्द्र नाथ (स्थानापन्न सहायक
अधीक्षक) 6-11-1973 पूर्वाह्न
3. श्री यू० एस० शर्मा (स्थायी अनुभा-
गाधिकारी) 6-11-1973 पूर्वाह्न

ह० अपठनीय

वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद तारीख 6 दिसम्बर, 1973

सं० आर० ए० सी० 117/73-74—यतः मुझे एस० बाल
मुन्नमण्यम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-6-395,
हिमायतनगर है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 25-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269B के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री न्यायाधीश के० माधव रेड्डी, (अन्तरक)
254, मारेड पल्ली सिकन्द्राबाद।

2. श्रीमती नेरेल्ला (सोमावती पत्नी)
नेरेल्ला वेनुमाधव, एम० एस० सी०,
वरन्गल।
4. श्री के० विम्बेस्वर रेड्डी (अवरयक)
3-6-395, हेमायत नगर,
हैदराबाद।

(वह व्यक्ति जिसके बारे
में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—म० नं० 3-6-395, हिमायतनगर, द० :
मजला मकान, जो ईंट, चुना तथा आर० सी० सी० के दिवार
हैं।

आर० एस० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबाद।

तारीख : 6-12-73
मोहर :

प्ररूप आई० टी० ए० ए० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद तारीख 6 दिसम्बर, 1973

सं० आर० ए० सी० 114/73-74—यतः मुझे एस० बाल-
सुब्रामण्यम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 10-2-220 मारेडपल्ली है, जो सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 30-6-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये,
हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मुशनायला बी० हुनमन्ताराव (अन्तरक)
नं० 76, मारेड पल्ली,
सिकन्दराबाद ।

2. चंडुगानी आगय्या (2) श्रीमती .
चंडुगानी धानलजी, (अन्तरिती)
दोनों 5833/34, रेजीमेन्टल बाजार,
सिकन्दराबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद् द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—दु० मंजला मकान नं० 10-2-220 जो प्लॉट
नं० 269 पर स्थित है जिसका क्षेत्र 600 वर्ग गज साथ ही खुली
जगह जो दिवार से घिरा हुआ है जो पट्टा का है ।

एस० बालसुब्रामण्यम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 6-12-73 है

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण कार्यालय
 अर्जन रेंज
 हैदराबाद, तारीख 6 दिसम्बर, 1973

निदेश सं० आर० ए० सी० 113/73-74—यतः मुझे एस० बाल-
 मुब्रमण्यम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का-43), की
 धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह कि
 वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० 4-1-356, हनुमान टेकड़ी है, जो हैदराबाद
 में स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 2-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
 कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
 के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के
 लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
 नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
 के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
 के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
 नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
 हैं ।

अतः, अब धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
 नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जाफर मुलतान बल्द स्व० अमीर (अन्तरक)
 मुलतान साहेब,

(2) शमीम मुलतान पत्नी जाफर
 मुलतान, सभी० नं० 3-5-583,
 हिमायत नगर, हैदराबाद ।

2. (1) मोहम्मद अयूबा बल्द अबदल हमीद साहेब, (अन्तरिती)
 5-9-700, गनकोण्टी, हैदराबाद
 (2) मोहम्मद युनुस बल्द अबदुल हमीद साहेब
 (3) श्री युसूफ बल्द अब्दुल हमीद साहेब.

यह दोनों कुवेट में स्थित हैं जिसके प्राधिकृत प्रतिनिधि श्री
 अली मोहसिन हकीम रजिस्टर्ड मुख्तारनामेदार.

3. सुपरिन्टेन्डेंट, डाक स्टोर्स, हैदराबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
 के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
 कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे
 और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
 है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
 व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
 की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
 अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—सं० नं० 4-1-356 का भाग, हनुमान टेकड़ी
 हैदराबाद जिसका क्षेत्र 376.92 वर्ग मीटर्स ।

एस० वासुब्रमण्यम
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-12-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/6147—
यतः, मुझे च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सधम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एम०-120 है, जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली
में स्थित है (और उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत धिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एस० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)
40-एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली।
2. श्री मोहिनी एम० भोजवानी पत्नी श्री (अन्तरिती)
श्री नानिक राम भोजवानी निवासी आक-1,
टाईप-4 फ्लेट नं० 5, सेंट्रल गवर्नमेन्ट
कालोनी, घाटकोपर वेस्ट, बम्बई-86।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क
में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका नं० एम०-120 क्षेत्रफल 400 वर्ग
गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर
में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सड़क पश्चिम : सर्विस रॉन
उत्तर : प्लॉट नं० एम०/118 दक्षिण : प्लॉट नं०
एम०/122

च० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1/2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7 दिसम्बर, 1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

● आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2 दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/6147—

यतः मुझे सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई०-417 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-1973 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मै० डी० एस० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)
40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली

2. श्री सतनाम सिंह पुत्र श्री गुरबक्स सिंह और (2) श्रीमती अवतार कौर पत्नी श्री गुरबक्स सिंह निवासी 28 जमरुदपुर ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहो प्लॉट जिसका न० ई०-417 क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहार-पुर दिल्ली में है।

च० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7 दिसम्बर, 1973

माहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज /2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

दिनांक 7 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/6147—
यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एम०-29 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-कर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)
40 एफ० कनाट पैलेस,
नई दिल्ली।
2. श्री रघुबीर सिंह लाम्बा पुत्र श्री केसर सिंह (अन्तरिती)
निवासी डी०ब० 62, साउथ एक्सटेंशन,
पार्ट-1, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० 29 ब्लाक एम० तथा क्षेत्रफल 250 बर्गगज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11 के गाँव बहारपुर दिल्ली में गाँव में स्थित है।

सी० वी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—/2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 7 दिसम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली 1

दिनांक 7 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/73-74/6147—
यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एम०-184 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अतः, धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2-366GI/73

1. मै० डी० एस० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)

40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली।

2. श्री प्रेम कुमार पुत्र श्री लाल चन्द निवासी (अन्तरिती)

आर०/12, बैस्ट पटेल नगर,

नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० 184 ब्लॉक एम० तथा क्षेत्रफल 300 वर्गगज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गाँव बहारपुर दिल्ली के गाँव में स्थित है :—

(सी० बी० गुप्ते)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7 दिसम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकसु०/ 2/73-74/6147—
यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है और जिसकी सं० डब्लू-1 है, जो ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० (अन्तरक)

40-एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली।

2. मै० सतीश ट्रेडिंग को० श्रीमती शीला (अन्तरिती)

पत्नी श्री बलडेल राज सचदेवा हंस राज

इन्टरप्राइजेज की देख रेख में, के-64

ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना भी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिससे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1144 वर्ग गज है और न० डब्लू-1 जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश के गांव बाहारपुरदिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली 1।

तारीख : 7 दिसम्बर, 1973

मोहर।

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/73-74/6147—
यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई०-95 है, जो ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एक० युनाइटेड लि० 40-एफ० कनाट पैलेस नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री विनय भारत वतरा पुत्र श्री जी० एल० मलीक, 9, मोडल टाउन अमआला सिटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्री होल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज और नं० ई०-95 जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

सी० बी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 7 दिसम्बर, 1973

मोहर :

प्रत्य आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एसयू०/ 11/73-74/6147--यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस०-397 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उगावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि० 40-एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरण)

2. श्री योगेश कुमार बत्रा पुत्र श्री हकीमराय बत्रा 8/21 माऊथ पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों में यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० 397 ब्लाक नं० एस० जां कि 315 वर्ग गज का है ग्रेटर कैलाश कालोनी के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से है :—

उत्तर—प्लॉट नं० एस०—395

दक्षिण—प्लॉट नं० एस०—399

पूर्व—सड़क

पश्चिम—सर्विस लैन।

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7 दिसम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू० 11/73-74/6147---यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस०---120 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मी० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40-एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री वीर सैन खन्ना पुत्र श्री आर० जी० खन्ना 143 वेधी गंज कश्मीरी गेट, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका नं० 120 ब्लॉक नं० एस० क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से है:--

उत्तर--प्लॉट नं० एस०---118

दक्षिण--प्लॉट नं० एस०---122

पूर्व--सर्विस लैन

पश्चिम--सड़क।

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेंज--2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
260 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू० 11/73-74/6147—यतः, मुझे, सी०बी० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस०—98 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. म० डी० एल० एक० युनाइटेड लि० 40-एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री गुरबचन सिंह भसीन, 9/6 कालकाजी एक्सटेंशन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज तथा नं० एस०—98 है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7 दिसम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/73-74/6147—यतः, मुझे सी०वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई०-193 है जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मी० डी० एल० एफ० युनाईटेड लि०
40-एफ०, कनाट पैन्स, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. सुसमा सिंह पत्नी श्री बीरेन्द्र सिंह,
सी०-268, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज, नं० ई०-193, जो कि निबामी कालीनी ग्रेटर कैलाश गाँव बाहारपुर दिल्ली में है ।

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 7-12-1973 ।

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, -2 दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/73-74/6147---यतः,
मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० एम०-40 है, जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
29-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सै० डी० एस० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड,
40, एक कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. टी० एस० भाटिया पुत्र श्री सामबल दास भाटिया,
एम०-79, माववीय नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 277.5 वर्ग गज नं०
एम०-40, जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश II के गाँव बाहारपुर
दिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -2 दिल्ली-नई दिल्ली-1

तारीख : 7-12-1973

मोहर :

ग्रुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/73-74/6147—
यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एम०-285 है, जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एक० युना. लिड लि० 40 एक कनाट प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती मेहिन्द्र कौर पत्नी श्री अनूप सिंह,
7/2, वक्षिण पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज सं० एम०-285 जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश के गाँव बाहारपुर दिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 7 दिसम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/73-74/6147—यतः, मुझे सी०वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या एम०-112 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि०

40-एफ०, कनाट पैलेस, नई दिल्ली।

अन्तरक

2. कमल सचदेव पत्नी श्री जोगिन्दर नाथ सचदेव,

15, पार्क मार्ग, बुरुमुर, बर्दवान, पश्चिमी बंगाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज नं० एम०-112, जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11 के गाँव बहारपुर दिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली 1

तारीख : 7-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,
दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/11/73-74/6122—
यतः, मुझे, डी०बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 27/19 है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-9-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) राम धन माँगू पुत्र श्री लूरिन्द चन्द माँगू
(2) श्री कुलबीर सिंह पुत्र श्री वजीर चन्द माँगू
निवासी गाँव तथा डाकखाना अवल,
जिला रोहतक (हरियाणा)। (अन्तरक)

2. (i) सत्या भूषण पुत्र श्री देवकी नन्दन व
(ii) श्री सुभाष चन्द्र पुत्र श्री देवकी नन्दन,
ई-3, रतन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट नं० 27/19, पंजाबी बाग, नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 363.15 वर्ग गज है तथा जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर : प्लॉट नं० 25 दक्षिण : रोड नं० 11
पूर्व : सर्विस लैन पश्चिम : रोड नं० 19

(डी० बी० लाल)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 7 दिसम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज बंगलूर

दिनांक 6 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० सि० आर० 62/1422/73-74-ए० सी० ब्यू०
(बी)यतः मुझे बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बंगलूर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी
सं० सर्व नं० 11-1-1 है, जो उत्तरी भाग कल्लनदारे गांव, पुत्तूर
तालुक मैंगलूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पुत्तूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 25-6-1973 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृक्षमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल
से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० अन्तर्न पै पुत्र श्री गोपाल पै, पुत्तूर कसबा, मैंगलूर
जिला (अन्तरक)

2. श्री के० सनजीव शेटी पुत्र श्री बाबू शेटी, कल्लारे, पुत्तूर
कसबा मैंगलूर जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति सर्वे नं० 11-1-1, उत्तरी भाग कल्लनदारे
गांव, पुत्तूर तालुक, मैंगलूर जिला ।

बी० माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 6-12-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 6 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० यि० आर० 62/1581/73-74/ए० सी० क्यू०
(बी०)—यतः मुझे बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) बंगलूर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० सेंट नं० 346 है, जो आई० ब्लाक, जैनगर, बंगलूर
में स्थित है (श्रीर इससे उवाच्य श्रुतसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 15-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अल्लुमालु वेंदेश्वर 32 ए सलाय स्ट्रीट, मैलापुरा,
मद्रास-4 (अन्तरक)

2. श्री टी० सी० पाली 7, I ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेंट नं० 346, I ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11

बी० माधवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 6-12-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 6-12-1973

निर्देश सं० सि० आर० 62/1511/73-74/ए० सी० क्यू० (बी)—यतः मुझे बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बंगलूर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है। और जिसकी सं० सैट नं० 549 है, जो भाग II ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडी, बंगलूर-4 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर म 'अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री (1) के श्री० कृष्ण स्वामी (2) के० नागराज (3) श्री डी० रामेश्वररी (4) श्रीमती एम० बनजा नं० 161-62, VI ब्लाक जयनगर, बंगलूर-11 (अन्तरक)

2. श्री (1) ए० बी० वत्सनेया भट (2) आर० एस० मोहन प्रकाश, नं० 26, XII ब्लाक कुमारा पार्क वेस्ट, बंगलूर-20 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैट नं० 549 (एक भाग) जो II ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11 में स्थित है।

बी० माधवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 6-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
 अर्जन रेंज बंगलूर

दिनांक 6 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० सि० आर० 62/1519/73-74 ए० सी० क्यू०(बी)-
 यतः मुझे बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
 बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान
 नं० 18/2, 18/3 है, जो बानीविलास रोड, बंगलूर-4
 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 बसवजगुडि, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-1973 को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
 की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
 यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
 प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
 है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
 देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
 बचने के लिए सुकर बनाना, और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
 जो जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961
 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं
 किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
 लिए सुकर बनाना, और यतः आयकर अधिनियम,
 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों
 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू
 करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
 नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
 (1) के अधीन निम्नक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती के० एस० ललितमा, नं० 341, बानीविलास
 रोड, बसवजगुडि, बंगलूर (अन्तरक)
2. श्री एन० वज्रम सेट्टी भागीदार m/s क्वालिटी फुड
 प्राइवेट और गोरीशन्कर इनडस्ट्रीस, मैसूर रोड, बंगलूर।
 (अन्तरिती)
3. (1) डैरेक्टोरेट आफ फील्ड पब्लिसिटी (इनफरमेशन
 ऐंड ब्राडक्यास्टिंग) (2) श्री एल० एम० इनामदार रीजनल
 आफीसर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
 व्यक्ति द्वारा —
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
 के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
 हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
 उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
 सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
 व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों
 की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
 अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 18/2 और 18/3, बानीविलास रोड, बंगलूर।

बी० माधवन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 6-12-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 6-12-1973

निर्देश सं० सि० गार० 62/1518/73-74— यतः, मुझे बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 18/2 और 18/3 है, जो बानीविलास रोड, बसवनगुडि, बंगलूर-4— में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमप्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास के दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती के० एस० ललितम्मा नं० 34/1, बानीविलास रोड, बसवनगुडि बंगलूर-4 (अन्तरिती)

2. श्री टी० वी० विश्वनाथ गुप्ता पुत्र श्री बन्धुम सेट्टी, सैसूर रोड, बंगलूर (अन्तरिती)

3. (1) डैरेक्टोरेट आफ फील्ड पब्लिसिटी (इनफरमेशन और बाडक्यासटिंग) (2) एल० एम० इनामदार, रीजिनल आफिसर । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 18/2 और 18/3, बानीविलास रोड, बंगलूर ।

बी० माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6-12-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1973

निदेश सं० सि० आर० 62/1364/73-74 ए० सी० क्यू०

बी—यतः, मुझे, बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति नं० 18, 19 और 19/1 है, जो III, मेन रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. ए० आर० कृष्णन,
नं० 140 बी० III, मेन रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3
(अन्तरक)

2. ला श्री सद्गुरु तिरुची स्वामिगल अलिथास
पत्नी स्वामीयन, "कैलास आश्रम", केन्नेनसल्लो,
बंगलूर जिला। (अन्तरिती)
3. (1) बान्क आफ इण्डिया
(2) बेंगाली एंशोमिमेजन
(3) एम० एम० नागराज
(4) सुन्दर,
(5) चन्द्रशेखर
(6) परमेश गोउडा,
(7) मुधाकर और शर्मा
(8) मीरा एण्ड कम्पनी
(9) पराणक्ति एजेन्सी।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 35 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 18, 19 और 19/1, III, मेन रोड
मल्लेश्वरम, बंगलूर-3।

बी० माधवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 6-12-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज,

बैंगलूर

बैंगलूर-3, दिनांक 6 दिसम्बर 1973

निदेश सं० सि० आर० 62/1454/73-74/ए०सी०क्यू०(बी)-
यतः मुझे बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बैंगलूर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और
जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल सैट 1-33 एकर, है, जो पनतरपालया
गाँव में स्थित है (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बैंगलूर सैट,
बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 20-6-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति जिसका कि उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के
लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये
हैं।

अतः अब, धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा

1. (1) श्री के० नागराजन

(2) राजलक्ष्मी

(3) रामेश्वरी

(4) बनजा नं० 1 एण्ड 2, वेस्ट कालोनी,
कुमारापालयम, सेलम, जिला तमिलनाडु।

(अन्तरक)

2. वी अन्नामलैस रिट्टेदिग कम्पनी

नं० 225, डा० ननजप्पा रोड, कोयम्बतूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल सैट और फैक्टरी 1-33 एकर जो पनतरपालया
गाँव, मंसूर रोड, बैंगलूर में स्थित है।

बी० माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बैंगलूर

तारीख : 6-12-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० सि० आर० 62/1427/73-74/ए०सी०क्यू० (बी)
यतः मुझे बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बंगलूर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
स्थावर सम्पत्ति एस नं० 34 है, जो कुड्डी
गाँव और पिगमन्नूरु गाँव उडिपि तालुक (ब्योरा लगाया गया है में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्रमाबार, उडिपि तालुक में
भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19 जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर
बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री जगन्नाथ नायक
(2) विनमला एस० नायक
(3) एम० प्रफुल्लचन्द्र नायक
(4) श्रीमती चन्द्रकला
(5) रवीकला
(6) अम्बिकला
(7) भवानी भाई
(8) उमेश राव 1 और 7 तक का पता करडबड्डु और
2 से 6 प्लॉट नं० 7/1/5, माथ्रेन्स रोड, मद्रास और
हेदराबाद में
2. (1) महाबला गेट्टी और
(2) श्रीमती विमला एम० रेड्डी, (पत्नी) नं० 1,34;
कुडि गाँव उडिपि तालुक।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति सर्वे नं० 34 कुडि गाँव पिगमन्नूरु गाँव,
उडिपि तालुक (ब्योरा अलग लगाया गया है)।

बी० माधवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6-12-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० सब-रजि०/इन्दौर/30-6-73—अतः, मुझे एम०
एक० मुंशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० 16975 वर्ग फुट है, जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजि-
स्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
26-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस
से बचने के लिए सुकर बनाना, और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स बीजम, कम्पनी प्रा० लि०,
7/9, महारानी रोड, इन्दौर (म० प्र०)
(अन्तरक)
2. (1) कु० विजय लक्ष्मी झंवर पुत्री स्वर्गीय श्री वी० के०
झंवर ।
(2) मास्टर अजित कुमार झंवर (नाबालिग)
पुत्र स्वर्गीय श्री वी० के० झंवर द्वारा कु० विजय
लक्ष्मी झंवर
सा० 171 साकेत नगर, इन्दौर (म० प्र०) ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 166, 170 और 179 साकेत नगर इन्दौर में
स्थित है। क्षेत्रफल 16975 वर्ग फुट।

एम० के० मुंशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 6-12-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हुबली-580021

दिनांक 5 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० 44/(73-74)/एच० ए० सी०क्यू०—यतः मुझे आर० पार्थ सारथी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) हुबली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम पदाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 483 ए/7ए० है, जो बार्ड I कारवार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कारवार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लिंगा एकु पदानी कोच्चेकर किसान, हिरेशिट्टा, बार्ड-II, कारवार ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री श्रीपाद यशवंत पाउस्कर,

सराफ, मुंकेरी, कारवार

(2) श्री संदानन्द बेकटेश नेतलकर, सराफ और व्यापारी, बाड II कारवार ।

(3) श्रीमती रेखाबाई, तुकाराम पाउस्कर, की पत्नी बार्ड-I, कारवार ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बाड-I कारवार के सर्वे नं० 483ए/7ए, में स्थित 31 गुंठा मापन की बिल् शेल्की जमीन ।

आर० पार्थ सारथी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हुबली

तारीख : 5-12-73

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये ।)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज, मेन्नाणी बिल्डिंग विद्या नगर हुबली-580021

हुबली 580021 दिनांक 6 दिसम्बर, 1973

निदेश सं० 45/73-74/एच० ए०सी० क्यू०—यतः मुझे, आर० पार्थसारथी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हुबली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसका सर्वे नं० 124/2बी-1-2सी/1 है जो मुरनाद गाँव बागलकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बागलकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-1973 के दिन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रायप्पा कनकप्पा नेग्गी,
बागलकोट, तालूक, मुरनाद गाँव वासी। (अन्तरक)

2. (1) श्री बी० बी० हंडी, बागलकोट,
(2) एल० जे० अंबोरे, दर्जी, बागलकोट,
(3) बी० बी० सिंगडे, दर्जी, बागलकोट
(4) सिद्रामप्पा बी० हल्लूर, मुरनाद
(5) नामदेव विठ्ठलप्पा बड्डिगेर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिस पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों को सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में, यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

बिजापुर जिला, बागलकोट, तालूक के मुरनाद गाँव में, बागलकोट-बेलगाँव रोड पर रि० सर्वे नं० 124/2बी-1-2सी/1 के 4 एकड़ 27 गुंठा विस्तीर्ण का विव् शेन्की जमीन का आस्ती स्थित है जो 60/×60/मापन के 48 प्लॉटों में विभाग किया गया है।

सीमाएं: इस प्रकार हैं:—

पूर्व में— श्री निगप्पा सिद्धप्पा नेग्गी के जमीन।

पश्चिम में— इन्हीं आन्तरितियों से खरीदा हुआ विव् शेन्की पलाट्स।

उत्तर में — इन्हीं आन्तरितियों से खरीदा हुआ 24 प्लॉट।

दक्षिण में — इजीनियरिंग कालेज, रास्ता।

आर० पार्थसारथी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हुबली

तारीख : 6-12-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 5 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 38/ए० सी० व्यू० 23-50/19-7/73-74--
यतः मुझे पी० एन० भित्तल, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II अहमदाबाद आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 13/2, 13/3 और 14 मु० नं० 13/2 और 3
प्लोट-17 है, जो अठवा लाईन्स सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 4-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) सुधाबेन माणिकलाल रेशमवाला (अन्तरक)

(2) प्रिन्सिपल ओफीसर, स्वाधय बेनिफिट प्रा० लि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा :--

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है --

अनुसूची

सं० नं० 13/2, 13/3, और 14 मु० नं० 13/2 और 3
प्लोट नं० 17, 488.33 वर्ग गज जमीन और 155 वर्ग गज
जमीन पर प्लान्थ नक निर्माण अठवा लाईन्स, सूरत ।

पी० एन० भित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 5-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० अ० सं० 111/नि० सं० अ० ई० 4/73-74—
यतः मुझे ग० सो० राब, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25, 000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सर्वे सं० 164, हिस्सा सं० 2 अ भाग 2/2 भाग सिटी सर्वे
सं० 104 है, जो घाटकोपर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 29-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :-

1. मेसर्स गणेश बिल्डर्स, सुख निवास, भाडौरकर मार्ग,
मादुंगा, बम्बई-19 (अन्तरक)

2. मेसर्स पारस बिल्डर्स, 278, सय्या हाऊस,
खो० क० 3089 नरसीनाथ स्ट्रीट, बम्बई-9 (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम भाग या अंग जो बम्बई उपनगर
जिला के, तालुका कुर्ला और रजिस्ट्री उपजिला बम्बई और बम्बई
उपनगर जिला के अन्तर्गत आग्रा रोड, अभी जो लालबहादुर शास्त्री
मार्ग से परिचित है, घाटकोपर में मौजूद और पड़ा हुआ है। जिसकी
सर्वेक्षण सं० 164, हिस्सा सं० 2ए (अंश) (2/2 अंश) सिटी
सर्वेक्षण सं० 104 और जो माप से 3804 वर्गमीटर या 4550
वर्गगज या उसके लगभग के समकक्ष है और जो निम्न प्रकार से
घिरा हुआ है :-

याने उत्तर में या और सर्वेक्षण सं० 164, हिस्सा सं० 2 (अंश)
और मुखराज थुसीरा के संपत्ती से दक्षिण में या और रतिलाल संधानी
के संपत्ती से, पूर्व में या और अंशतः एक पब्लिक रोड से और अंशतः
रतिलाल संधानी के संपत्ति से और पश्चिम में या और देसार रानाके
संपत्ति से।

ग० सो० राब,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई।

तारीख : 4-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० अ० सं० 112/नि० सं० अ० ई०-4/73-74—
अतः मुझे श्री ग० सो० राव सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० में अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 74, हिस्सा सं० 7 है जो व्हीसेज किरोल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचन के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यमः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

5—366GH/73

1. मेसर्स मिस्त्री ग्रण्ड पटेल (अन्तरक)

2. मेसर्स आनन्द सिन्दु को० आ० हाऊसिंग सोसायटी आनन्द महल बी०-2, कामा क्रास लेन, बम्बई-86।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या अंग, जो रजिस्ट्री उपजिला बान्द्रा और रजिस्ट्री जिला बम्बई उपनगर में किरोल रोड, कामा क्रास लेन, घाटकोपर में मौजूद और पड़ा हुआ है, जिसकी सर्वेक्षण सं० 74, हिस्सा सं० 7, नौदणो सं० 357, जो डायना पार्क इस्टेट की प्लॉट सं० 'डी' से दिखाई गयी है, और जिसका क्षेत्रफल उसपर खड़े बिल्डिंग, जो आनन्द महल से परिचित है, उसके सहित 1180-50 वर्गमीटर है, जिसकी म्युनिसिपल वार्ड सं० एन०/7079 (3) और 827-बी० है, और जो पूरब में या और एक रास्ते से, पश्चिम में या और कामा क्रास लेन से, उत्तर में या और कामा रोड से और दक्षिण में या और मेट्रोल रेलवे से घिरा हुआ है।

ग० सो० राव,

सभ्य प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4 बम्बई।

तारीख : 4-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 111-63/अर्जन-73-74/1192—यतः
मुझे ज्योतीन्द्र नाथ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खाता न० 367 प्लॉट न० 1298,
1299 है जो ठठेरी बाजार, बक्सर में स्थित है। (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बक्सर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 6-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्य-
मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम किशुन प्रसाद, देव नारायण प्रसाद, केदार नाथ
प्रसाद, बलद स्वर्गीय श्री पञ्चकौरी राम नर बाजार बक्सर की-
बक्सर, भोजपुर। (अन्तरक)

(2) श्री राम अग्या राय बलद-श्याम नारायण लाल, अछुता
राय बलद राम अग्या राय, हाल मकान, बलरामपुर (बेलटी) पो०
कमरपुर, माया-बक्सर जिला भोजपुर स्थायी पता : ग्राम/पो०
कनुआर, जिला गाजीपुर (यू० पी०) (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो,
तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पक्का मकान, रकबा 1 कट्ठा 10 धूर, खाता न० 367,
प्लॉट न० 12 98, 12 99 इत्यादि, महल्ला ठठेरी बाजार
बक्सर, भोजपुर।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम पदाधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 7-12-1963

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० निरीक्षण—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

दिनांक 8 दिसम्बर 1973

सं० आर० ए० सी० 125/73-74—यतः मुझे एस० बाल सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3-6-953/6, 7, 8 लिगम्पल्ली है, जो हैद्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैद्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती डाचा कान्तमा परनी डाचा पेन्ट्या, 18, हैद्राबाद बस्ती सिकन्द्राबाद (2) श्री मीराज सूफी बल्द खासीम सूफी, 3-6-780/22, हिमायतनगर, हैद्राबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती गुलशन पत्नी मनसूर तायब अली रंग वाला, 1-8-23, चिक्कड पल्ली हैद्राबाद (अन्तरिती)

3. (1) मनसूर अली (2) श्रीमती शकुन्ताम्मा मलगी नं० 3-6-953/6, 7, 8 लिगम्पल्ली, हैद्राबाद (वह व्यक्ति जिसके अधिधोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—मलगीयां जिनका मुनिसीपल नं० 3-6-953।

6, 7 तथा 8, लिगम्पल्ली पूल, नारायण गूडा हैद्राबाद।

एस० बाल सुब्रमण्यम्,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज हैद्राबाद।

तारीख : 8-12-1973

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

दिनांक 8 दिसम्बर 1973

सं० आर० ए० सी० 122/73-74—यतः मुझे एस० बाल
सुब्रमण्यम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
1-8-522/27, चिक्कड़पल्ली है, जो हैदराबाद में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-6-1973
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(घ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
अन्य ऐसे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
रसम बसने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० मोहन राव नं० 1-8-522/27, चिक्कड़पल्ली
हैदराबाद (अन्तरक)
 2. श्री मोहम्मद अबदुल गफार उर्दूगल्ली हैदराबाद (अन्तरिती)
 3. अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति
है)।
 4. अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता-
क्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—नं० 1-8-522/27, चिक्कड़पल्ली, हैदराबाद।

एस० बाल सुब्रमण्यम्
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 8-12-73

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

दिनांक 8 दिसम्बर 1973

सं० आर० ए० सी० 123/73-74—यतः, मुझे
एस० बाल सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 2-3-758, बागम्बरपेट है, जो हैद्राबाद में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैद्राबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 4-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री एस० लोकनायका राव सुपुत्र एस० नीलकण्ठम्
2-3-758, बाग अम्बर पेट, हैद्राबाद-13 (अन्तरक)
2. श्री के० सुब्रमण्यम् कोन्ता पेट, विजयवाड़ो। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो
तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गति को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर,
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—सं० 2-3-758, अम्बरपेट बाग हैद्राबाद।

एस० बाल सुब्रमण्यम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैद्राबाद

तारीख : 8-12-73

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

दिनांक 8 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 124/73-74—यतः मुझे एस० बाल सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है। और जिसकी सं० 1-1-508 बकाराम, मुशीराबाद है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आधीन 28-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चन्द्राबाई पत्नी रामगोपालनी राठी, पुराना कमतर खाना, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री गिरीराज केमिकल कंपनी (पी) लिमिटेड 1-1-508, बकाराम, मुशीराबाद, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—2360 वर्ग मीटर्स खुली भूमी शेड के साथ तथा कमरे नं० 1-1-508 बकाराम मुशीराबाद, हैदराबाद।

एस० बाल सुब्रमण्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 8-12-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

दिनांक 8 दिसम्बर 1973

निदेश सं० आर० ए० सी०/127/73-74— यतः मुझे एस० बाल सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 15-5-147 ता 150 बेगमबाजार है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती खादिर उन्नीसा बेगम सं० 3-6-182/ए, हैदरगुड़ा, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती के० नीला बाई पन्थी के० विठल राव, 14-4-324, बेगम बाजार, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—हु० मंजिला ईमारत नं० 15-5-147 ता 150, करीम विलडिंग नाम से जानते हैं जो बेगमबाजार, हैदराबाद में है।

एस० बाला सुब्रमण्यम्

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 8-12-73

मोहर :

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण कार्यालय)

दिनांक 8 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० ग्रा० ए० सी० 126/73-74-यतः मुझे, एस० बाल सुब्रमण्यम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है। और जिसकी सं० 19-2-226/2 बाहदुरपुरा है, जो हैद्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैद्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1911 का 22) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री सय्यद अली बन्द स्व० हाजी सय्यद याकूब 15-6-360, बगम बाजार, हैद्राबाद (अन्तरक)

2. मेसर्स केडिया बनस्पती (पी) लिमिटेड 19-2-226/2 बाहदुरपुरा, हैद्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में तिहत्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—भूमी जिसा मुनिसीपल नं० 19-2-226/2 बाहदुरपुरा, हैद्राबाद क्षेत्र 13101 वर्गगज या 10958 वर्ग मीटर्स है।

एस० बालसुब्रमण्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैद्राबाद

तारीख : 8-12-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक 10 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-71/1-1/73-74—
यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सिटि सर्वे नं० 6194, है, जो जमालपुर वार्ड-I, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जैनव बीबी कालुभाई, कर्माईवाड़ा, मिर्जापुर अहमदाबाद (अन्तरक)

6-366 GI/73

(2) श्री नूरअहमद अब्दुल्करीम खमासा चकला, भडियार-बाड़ा, अहमदाबाद-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिटि सर्वे नं० 6194, जमालपुर वार्ड - I अहमदाबाद।
जमीन क्षेत्रफल, 337 वर्ग गज (मकान सहित)।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद।

तारीख : 10-12-1973

मोहर :

(जो लागू नहो उसे काट दीजिए)

प्रारूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

काकोनाड़ा

दिनांक 6-12-1973

निर्देश सं० आर० ए० सी०जे० नम्बर(545)/73-74—
यतः, मुझे, के० सुब्बाराव सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं०
नम्बर 22-बी०-6-9 है, और कोरलापटोवारी वीधी पावरपेट है
और एल्लूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एल्लूरु
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 18-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) Shrimati Maddula Venkava Ramalaxmamma, W/o
Chenchu Nagapurna Gopala Ratnam, Pulla
(Transferor)

((2) Smt. (Maddula Nagaratna Mangataya W/o Hanu-
mantharao, S/o Chenchu Nagapurna Gopala Ratnam,
Pulla.

(Transferee)

(3) 1. Dr. Edupuganti Kesavarao, Eluru.
2. Maddula Sitharamanjaneyul Eluru.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये
जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

West Godavari District—Eluru Taluk—Eluru town—
Powerpet—Municipal Ward 15/E—Town survey No. 628,
629—Door No. 22-B-6-9—Terraced building with site—421
Sq. Yds. BOUNDRIES TO THE BUILDING AND SITE.

- I. East : Banda Krishna mohanarao wall 60'—0"
Plust send item site 12'—0"
South : Achanta Ramabrahmam wall 48'—10"
West : Municipal Road 70'—0"
North : Korrapati Laxminarayana wall 49'—4"
(Total site 385—3 Sq. Yds.)
- II. East Kopperla Venkayamma's Building site 12'—6"
South Banda Krishnamohanarao compound wall 25'—6"
West : Above item site 12'—6"
North : Korrapati Laxminarayana wall 25'—6"
(Total site 35'—44")

के० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकोनाड़ा

तारीख : 6-12-1973

मोहर ।

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की
धारा 269-घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,
अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांक 6-12-1973

निर्देश सं० अ० सं० 111/227/73-74—यतः मुझे
आर० जी० नेरूरकर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 54 है, जो भारवे मलाड, में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार का कार्यालय, में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 16-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जोयस परेरा, 76, रेसीडन्स रोड, बंगलोर 25
(अन्तरक)

2. श्री वोर अलबम डीसिल्वा डीसिल्वा वाडी, मानोरी
व्हीलेज, मनोरी, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेकार, खाली भूमि का वह टुकड़ा जो, रजिस्ट्री उप-जिला और
जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के मार्वे-मलाड में मौजूद
और पड़ा हुआ है, जिसकी सर्वेक्षण सं० 54 और जो मापसे 2750
वर्गगज याने 2299-35 वर्गमीटर या लगभग समकक्ष है।

आर० जी० नेरूरकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, बम्बई।

तारीख : 6 दिसम्बर 1973।

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन 1 लखनऊ

दिनांक 10 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० VIII/1/73-74—यतः, मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और जिसकी सं० है, जो इरविपुडुर गांव, अगस्तीस्वरम् तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एड्युकुडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाधिकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती जानकी अम्मास (अन्तरक)
2. श्री सुन्दरलिंगम् गणेशन स्वयंबू, सेल्लवेल, सेल्लसिवलिगम् (अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाधिकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 1621-ए० में 5 एकर्स और सर्वे सं० 1630-ए में 6 एकर्स 70 सेंटस का खाली भूमी जो इरविपुडुर गांव अगस्तीस्वरम् तालुक में स्थित है

के० बी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास

तारीख 10 दिसम्बर 1973

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I,

मद्रास-60006, दिनांक 10 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० VIII/4/2/73-74-यतः, मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 1606, 1636-ए०, 1605-ए० जो इरविपुदूर गांव में है और 1863 जो कुलशेकरपुरम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एड्वैक्यूडी में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 जून 1973 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अनन्तकृष्ण अय्यर (अन्तरक)

2. श्री गुन्दरलिंगम्, गणेशन, स्वयंबू, सेल्लेवेल, सेल्लारिव लिंगम् (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सर्वे सं० 1606 में 4 एकर्स 20 सेंटेस, 1634-ए० में 2.50 एकर्स और 1605 -A में 1.55 एकर्स का खाली भूमी जो इरविपुदूर गांव अगस्तीस्वरम तालुक में स्थित है और सर्वे सं० 1863 में 4.15 एकर्स का खाली भूमी जो कुलशेकरपुरम गांव में स्थित है ।

के० बी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I मद्रास

तारीख 10 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 10 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० VIII/4/3/73-74--यतः, मुझे, के० वी० राजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/ रुपये से अधिक है। और जिसकी सर्वे सं०
1631-A और 1630-A है, जो इरविपुदूर
गांव, अगस्तीस्वरम तालुक, कन्याकुमारी जिला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय एड्युकैंडो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 जून 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 22) या आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था, या या किया जाना चाहिए
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अतः, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री अनन्तकृष्ण अय्यर (अन्तरक)

2. श्री सुन्दरलिगम्, गणेशन, स्वयंभू, सेतलवेल सेतलसिद्ध-
लिगम् (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 1631-ए० में 3.40 एकड़ और सर्वे सं० 1630-A
में 1.35 एकड़ का खाली भूमी जो इरविपुदूर गांव अगस्तीस्वरम
तालुक, कन्याकुमारी जिले में स्थित है।

के० वी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख 10 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, कानपुर

मद्रास-600006, दिनांक 10 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० VIII/4/4/73-74—यतः, मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जो इरविपुद्दूर गांव अगस्तीस्वरम तालुक, कन्याकुमारी जिले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एड्युकुडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार के मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री अनन्तकृष्ण अय्यर (अन्तरक)

2. श्री सुन्दरलिंगम्, गणेशन, स्वयंवर, मल्लवेल, मल्लसिवा-
लिंगम् (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इरविपुद्दूर गांव, अगस्तीस्वरम तालुक कन्याकुमारी जिले में स्थित है।

के० बी० राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास-1

तारीख 10 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 दिसम्बर 1973

सं० आर० ए० सी० 115/73-74—यतः मुझे एस० बाल मुन्नरमण्थम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-रुपये से अधिक और जिसकी सं० 3-6-317 तथा 318, बशीराबाग है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्यामलाल अगरवाल मुख्तारनामादार (अन्तरक)
श्री देशपांडे मुपुत्र दामोदर द्वारा,
किंगसवे, सिकन्दराबाद।

2. श्रीमती मुशीला देवी पत्नी वी० अगरवाल (अन्तरिती),
बशीराबाग, हैदराबाद

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय गुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—सं० नं० 3-6-317 तथा 318, बशीरा बाग, हैदराबाद, क्षेत्र—642 वर्ग गज।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-12-73
गोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज—मद्रास-1

मद्रास-600006, दिनांक 10 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० VIII/4/5/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 1633 और 1635 है, जो इरविपुदूर अगस्तीस्वरम् तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एडियकुडी में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुधार बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुधार बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

7—366GI/73

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अनन्तकृष्ण अय्यर (अन्तरक)
2. श्री सुन्दरलिंगम्, गणेशन, स्वयंबू, सेल्लवेव, सेल्लसिवा-लिंगम् (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सर्वे सं० 1635 में 8 एकड़ 55 सेंट्स और सर्वे सं० 1633/1 में 1 एकड़ की खाली भूमी जो इरविपुदूर, अगस्तीस्वरम् तालुक में स्थित है ।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास-1

तारीख: 10 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 10 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० VIII/4/6/73-74---यतः, मुझे, के० बी० राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जो इरविपुदूर गांव, अगस्तीस्वरम
तालुक, कन्याकुमारी जिला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में प्रो० पूर्ण हरा से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एड्युकेण्डो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 13 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती स्वर्णणी अम्माल (अन्तरक)

2. श्री मुन्दरलिंगम्, गणसन, स्वयंबु, सेल्लवेल, सेल्लसिर्वा
लिंगम् अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति, अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सर्वे सं० 1620 में 4.25 एकड़ और सर्वे सं० 1621-ए०
में 5 एकड़ 60 सेंटस का खाली भूमी जो इरविपुदूर गांव, अगस्ती-
स्वरम् तालुक, कन्याकुमारी जिला में स्थित है।

के० बी० राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास-1

तारीख: 10 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्रा० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रंज, लखनऊ

मद्रास-600006, दिनांक 10 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० VIII/4/7/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन मद्रास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जो हरविपुदूर गांव, अगस्तीस्वरम् कन्याकुमारी जिले में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एड्युकेण्ड्री में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनन्तस्वामी अय्यर (अन्तरक)
 2. श्री सुन्दरलिंगम्, गणेशन, स्वयंबू, सेल्लवेल, सेल्लसिवा लिंगम् (अन्तरिती)
- को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप दिया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 1631/1 में 4 एकड़ 25 सेंटस और सर्वे सं० 1632-ए० में 7 एकड़ 5 सेंटस का खाली भूमी है जो हरविपुदूर गांव, अगस्तीस्वरम् तालुक में स्थित है।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, मद्रास-1

तारीख: 10 दिसम्बर 1973

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास 60006

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० VIII/4/8/73-74—यत्तः, मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० सर्वे सं० 1625, 1626 और 1627 है, जो हरविफदूर, अगस्तीस्वरम् तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एड्युकुडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत्तः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अनंतस्वामी अय्यर (अन्तरक)

(2) श्री सुंदरलिंगम, गणेशन, सेल्लसिवलिंगम, स्वयंबूर, सेल्लवेल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 1625, 1626 और 1627 में 11 एकड़ 30 सेंटर का खाली भूमि जो हरविफदूर, अगस्तीस्वरम् तालुक में स्थित है।

के० बी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक 10-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज का कार्यालय, मद्रास

दिनांक 10 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० VIII/4/9/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 1628 और 1634 है, जो इरविफदूर, अगस्तीस्वरम् तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एड्युकेण्डो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-73

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने देने के अन्तरक के घायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पद्मनाभ अय्यर (अन्तरक)

(2) श्री सुंदरलिंगम, गणेशन, सेल्लवेल, स्वयंबू, सेल्ल-सर्विलिंगम् (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 1628 में 5 एकड़ और सर्वे सं० 1634 में 7 एकड़ 30 सेंटस का खाली भूमि जो इरविफदूर, अगस्तीस्वरम् तालुक, इडलाक्कुडी सब-डिस्ट्रिक्ट कन्याकुमारी डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-12-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज का कार्यालय मद्रास 600006

दिनांक 10 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० VIII /4/10/73-74—यतः, मुझे, के०
वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० है, जो सर्वे सं० 1624, 1627, 1628 में इरवि-
फट्टर, अगस्तीस्वरम् तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, एडेंयकुडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा; 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पद्मनाभ अय्यर (अन्तरक)

(2) श्री गणेशन, सेल्ससिवालिगम्, स्वयं, सेल्सबेल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 1627-ए में 6 एकरस 75 सेंटस सर्वे सं० 1628 में
95 सेंटस, सर्वे सं० 1624-ए में 2 एकरस 60 सेंटस का खाली
भूमि जो इरविफट्टर, अगस्तीस्वरम् तालुक, इडलाक्कुडी सब-डिस्ट.
में स्थित है।

के० वी० राजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक 10-12-1973

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1973

सं० 513/73-74—यतः, मुझे, रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 58/6, कनिटरल रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तीयागयाय नगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा; 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पी० राममूर्ति, सीटिज, वाणिगटन, यू० एस० ए०
(अन्तरक)

(2) श्री बी० डी० स्वामि अन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड,
मद्रास-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, कनिटरल रोड में 8 अउण्ड और 663 स्क्वयर फीट का भूमि जिसका आर० एस० सं० 58/6 (भाग)

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 12-12-1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 12 दिसम्बर 1973

सं० 690/73-74—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5, पहला रोड, सेनटोफ रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सी० सेणाचलम का एसटेट, मन्नापूर, मद्रास।
(यन्त्ररिती)

(2) श्री आर० गणेशन, आर० के० नगर, मद्रास।
(अन्तरिती)

(3) श्री सीधनारायणन (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, 5, पहला रोड, सेनटोफ रोड में 7 अउण्ड और 571 स्क्वयर फीट का खाली भूमि (मकान के साथ)

ए० रागवेन्द्र राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 12-12-1973

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 12 दिसम्बर 1973

सं० 517/73-74—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 47,
तीसरा मेथीन रोड, गांधी नगर, मद्रास-20 है, जो में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 14-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8-366GI/73

(1) श्री बी० एस० सरोजा, रामचन्द्रन और आर० आर०
गणेश, मद्रास-20। (अन्तरक)

(2) श्रीमती उमादेवी, 31, सीवन कोयील स्ट्रीट, चेन्नम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय भुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची .

मद्रास, अड्यार, गांधी नगर, 47, तीसरा मेथीन रोड में
(भाग) खाली भूमि और मकान, जिसका सर्वे सं० 9 (भाग)
और प्लॉट सं० 67।

ए० रागवेन्द्र राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 12-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1973

सं० 517/73-74—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 47, तीसरा मेडन रोड, गांधी नगर, मद्रास-20 है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया कि ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती वी० एस० सरोजा, रामचन्द्रन और आर आर० गणेश, मद्रास-20। (अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० सुशीला देवी, 31, मीवन कोयिल स्ट्रीट, चेलम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, अडैयार, गांधी नगर, 47, तीसरा मेयिन रोड में (भाग) खाली भूमि और मकान जिसका सर्वे सं० 9 (भाग) और प्लॉट सं० 67।

ए० रागवेन्द्र राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 12-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II,
मद्रास

दिनांक 12 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० 517/73-74—यतः, मुझे, ए० रागवेंद्र राय
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 47, तीसरा मेडन
रोड, गांधी नगर, मद्रास-201 है, जो में स्थित है (और
इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, मैदापेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-1973 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जी० एस० सरोजा, रामचन्द्रन और आर०
आर० गणेश, मद्रास-201 (अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० के० देवी, 31, सीवन कोथीन स्ट्रीट,
चेलम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मद्रास, अडियार, गांधी नगर, 17, तीसरा मेडन रोड में (भाग)
खाली भूमि और मकान जिसका सर्वे सं० 9 (भाग) और प्लॉट
सं० 67।

ए० रागवेंद्र राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 12-12-1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय,
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक 6 दिसम्बर 1973

सं० आइ० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/25/73-74-यतः,
मुझे, एस० एस० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 2/63 और 2/65 सिट नं० 66 ए और नं० 1/1 सिट नं० 79 सी, वार्ड नं० 29 बालाजी प्लाट्स अमरावती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमरावती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-73

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री बंसीलाल जयनारायण मारडा (अन्तरक)
- (2) (i) श्री सच्चिदानंद कन्हैयालाल अग्रवाल
- (ii) श्री किरणकुमार श्रीराम अग्रवाल
- (iii) श्री अनिलकुमार गोपालदाम अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

को उक्त सम्पत्ति जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) उक्त सम्पत्ति के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृहसम्पत्ति निम्नलिखित संलग्न भूमि सहित

प्लाट नं० 2/63 सिट नं० 66 ए

प्लाट नं० 2/65 सिट नं० 66 ए

प्लाट नं० 1/1 सिट नं० 79 सी

प्लाट नं० 1/1 सिट नं० 79 सी

जो बालाजी प्लाट वार्ड नं०, 29 अमरावती (महाराष्ट्र) में स्थित है।

एस० एस० राय,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

दिनांक 6-12-1973

अर्जन रेंज नागपुर।

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री शाम सुन्दर पुत्र श्री गिरधारी लाल, फाजीलका। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) (i) श्रीमती करम देवी पत्नी श्री हरीचन्द
(ii) श्रीमती कोणलिया देवी पत्नी श्री गोकुल चन्द निवासी
फाजीलका मन्डी, सलीम शाह रोड, फाजीलका। (अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-चण्डीगढ़ का कार्यालय

चण्डीगढ़, दिनांक 11 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० एफ० जे० के०/940/73-74—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान है जो सलीम शाह रोड, फाजीलका मन्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजीलका में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसा व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जो सलीम शाह रोड फाजीलका मन्डी में स्थित है।
(जायदाद का रजिस्टर्ड डीड नं० 925 जो सब-रजिस्ट्रार फाजीलका ने जून 1973 में किया)।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक: 11-12-1973

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/1015/73-74—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 3429 प्लॉट नं० 11 स्ट्रीट नं० एच है जो सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री सरधा सिंह रजिस्ट्रार पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)।

(2) श्री प्रगास सिंह पुत्र श्री गंडा सिंह मकान नं० 1093 सैक्टर 15-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3429, प्लॉट नं० 11 गली 'एच' सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

दिनांक 3-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)

156, सैक्टर 9-बी अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

चण्डीगढ़ दिनांक 12 दिसम्बर 1973

निदेश सं० एल० डी०एन०/120373-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षक अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट आफ लैंड है जो गांव गिल नं० 1 लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री प्रतीम सिंह, पुत्र श्री सुरमा सिंह गांव गिल, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता पासी पत्नी श्री रवी दत्त पासी, द्वारा अपसरा बूलन शो रूम, चोड़ाबाजार लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादा किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट आफ लैंड जो कि गांव गिल में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2307 के अनुसार जून 1973 को सब-रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

(जी० पी० सिंह)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 2-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज,
156, सैक्टर 9 बी

चण्डीगढ़, दिनांक 11 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० एच०एस०आर०/1279/73-74-यतः, मुझे, जी० पी० सिंह (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है जो लाजपत राय पार्क, हिसार के सामने स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगदीश भारगावा पुत्र प० ठाकर दास भारगावा और उसकी पत्नी श्रीमती कमला भारगावा निवासी हिसार।
(अन्तरक)

(2) श्री बाबू राम पुत्र श्री तेलू राम

(i) श्री सत्य नारायण } पुत्र श्री बाबू राम महाजन
(ii) श्री लक्ष्मण दास } निवासी हिसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो लाजपत राय पार्क हिसार के सामने स्थित है। (जायदाद जिसका रजिस्टर्ड डीड नं० 1005, जून 1973 में सब-रजिस्ट्रार हिसार ने किया।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

दिनांक 11-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 156, सैक्टर 9-वी चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 दिसम्बर, 1973

निदेश सं० एल० डी० एन०/1387/73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट आफ लैंड टैगोर नगर है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9—366GI/73

(1) श्री विजय खोसजा, पुत्र दिवार बाल कृष्ण, 613-माडल टाऊन, लुधियाना । (अन्तरक)

(2) श्री हरी मित्तर् पुत्र चन्द लाल, गुरदियाल सिंह बिल्डिंग, कटरा नैरियन, लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट आफ लैंड, टैगोर नगर लुधियाना जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2698 के अनुसार जून 1973 को सब रजिस्ट्रार के दफ्तर में लिखा है ।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख : 12-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाड

काकीनाड, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

सं० आर० ए० सी० J. No. 1(1283)/73-74. यतः, मुझे,
-K. Subbarao, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०
as per schedule Chilakaluripet, Medarametla, Edugundla-
padu and Tangutur Guntur, Mangalagiri,
है जो में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Guntur में भारतीय
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन in July 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) M/s. British India Tobacco Corporation Ltd.,
Guntur.

(अन्तरक)

(2) M/s Bit Corp. Private Ltd., Mangalagiri

Road, Guntur.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा और यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. Guntur District—Guntur town—Municipal Survey Nos.
436 and 437—Site and building with Pland and machinery
etc.—Ac. 10.58—Door No. 9—Municipal Asst. Nos. 11783,
11231 and 11769.

2. West Godavari District—Kovvuru village—Survey No.
153—Site and buildings with plant and machinery etc.—Ac.
1.98—Door No. 91—Municipal Asst. No. 845.

3. Guntur District—Mangalagiri village—Survey No. 37—
Site and buildings with plant and machinery etc.—Ac. 4.80—
Door No. 319—Municipal Asst. No. 428. Inclusive of sheds
at Guntur, Chilakaluripet, Medarametla, Edugundlapady and
Tangutur.

4. Guntur District—Guntur town—Survey No. 26—Site and
buildings with Plant and Machinery etc.—Ac 2.78—Municipal
Asst. No. 2453.

K. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada.

Date : 7-12-1973.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

सं० ए०-71/73(11)89—यतः, मुझे, एस०सी० पराशर
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो ग्राम-दिलालपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलवर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून 8 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ख के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री इस्माइल पुत्र श्री शाहबाज मेव निवासी दिलालपुर (अलवर)

(2) श्री प्यारे लाल पुत्र श्री शिवनारामभा भागवत, 2, गोपी चन्द पुत्र श्री प्यारे लाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अबसूची

ग्राम दिलालपुर स्थित कृषि भूमि 20 बीघा 3 बिस्वा मय एंजिन एवं पक्का कुआरा एवं जमीन पर निर्मित 4 कमरे।

एस० सी० पराशर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

दिनांक 7-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), कार्यालय
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० ए०-4/73(12)/134/130—यतः, मुझे, बी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक बंगला है, जो अजमेर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून 30 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सैयद मोहम्मद गनी चिस्ती 2. श्री सैयद मोहम्मद इकबाल चिस्ती निवासी खादिम माहल्ला अजमेर।

अन्तरक

- (2) श्री 1. श्यामलाल 2. श्री गुल पुत्र श्री मूलचन्द 3. श्री ईश्वर पुत्र श्री गियागूमल 4. श्री गाजूमल पुत्र श्री आसूमल, अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सीमा (वाउण्ट्री) युक्त एक बंगला जो कि श्री नगर रोड अजमेर में स्थित है। प्लॉट का क्षेत्रफल 2550 वर्गगज है।

बी० पी० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 12-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० एल० सी० 9/73-74—यतः, मझे, के० राजगोपालन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 507 है, जो ट्रिच्चूर जिला के किल्लेश्वर पंचायत, ट्रिच्चूर जिला में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिच्चूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नारायणन, कुडापियूर, एगंडियूर चावखाट, ट्रिच्चूर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री के० पी० मनिनाथर, पुजमंदिरम ओल्लूकरा, ट्रिच्चूर।

2. श्री के० पी० गोपाल कृष्णन नाथर, पुलनपुलमकोट हौस, कुभियश्वरी पी० ओ०, पालघाट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकारी होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ट्रिच्चूर जिला, किल्लेश्वर पंचायत के वार्ड नं० 2 में सं० नं० 507 में स्थित 43.30 आरस जमीन और मकान।

के० राजगोपालन,

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 7-12-1973।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6242—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम-62 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या ;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० डी० एस० एफ० युनाइटेड लि० 40, एक कक्षाट वेलेस, नई दिल्ली ।

(2) बहादुर चन्द पुत्र श्री बी० बी० छंब और श्रीमती शकील कुमारी पत्नी श्री बहादुर चन्द—के०-37, एन० डी० एस० ई, पाट-1, नई दिल्ली-110049 ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निम्नलिखित किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० एम-62 (खाली) क्षेत्रफल 247 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में है ।

चं० बि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 12 दिसम्बर, 1973

मोहूर :

ग्राह्य आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1973

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6242—यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है। और जिसकी सं० डब्ल्यू-104 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मं० डी० एल० एफ० युनफ़टेड लि० 40, एक कनाट पैनस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री राधे श्याम निवासी चावड़ी बाजार, झुनझुन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(अनुसूची)

जमीन का प्लॉट जिसका नं० 104 ब्लॉक नं० डब्ल्यू क्षेत्रफल 550 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11 के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से बना है:—

उत्तर—प्लॉट नं० डब्ल्यू 102

दक्षिण—प्लॉट नं० डब्ल्यू 106

पूर्व—सर्विस लेन

दक्षिण—सड़क

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 12 दिसम्बर 1973

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० --यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० ई-216 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
5-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ/कनाट
पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री ब्रिज मोहन लाल अग्रवाल पुत्र श्री प्रभू दयाल चीफ
अकाउन्टेन्ट, स्टेट बैंक और बीकानेर, जयपुर, प्रधान कार्यालय,
हाइवे, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्व-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका नं० ई-216 क्षेत्रफल 250 वर्ग
गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, के गांव बहारपुर
दिल्ली में है।

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 12 दिसम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV

कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० ए०सी०-25/आर-IV/कलकत्ता/73-74-यतः,
मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सि० एस० प्लॉट नं० 1633, 1634 एवं 1635
है, जो मौजा ब्रह्मफोरदाबाद जे० एल० नं० 47 आर० एस०
नं० 7 तौजी नं० 109 खतियान नं० 666 थाना सोनारपुर डिस्ट्रिक्ट
24-परगना में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार,
सोनारपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 1973, 4 जून, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
10-366GI/73

1. श्री सन्जित कुमार राय 6ए, जनक रोड़, कलकत्ता-26।

(अन्तर)

2. मेरस केमलाक इण्डिया प्राइवेट लि० डायरेक्टर श्री विष्णुदत्त
मुखर्जी 55 डा० शरेत् बनर्जी रोड़, कलकत्ता-29। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने की लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डिस्ट्रिक्ट 24-परगना, थाना सोनारपुर स्थित 2 बिघा,
12 कट्टा, 2 छटांक जमीन और मकानादि जिसके सि० एस०
प्लॉट नं० हैं 1633, 1634, 1635, मौजा ब्रह्मफोरदाबाद,
जे० एल० 47 आर० एस० नं० 7 तौजी नं० 109 और खतियान
नं० हैं 666।

एम० एन० तिवारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज IV जी-13 चौरंगी स्कवोयार कलकत्ता-1

दिनांक: 6-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 11 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० टी० आर०-505/सी०-92/कल-1/73-74-यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 138 है, जो कौटन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्योरेसेज, 5 गवर्नमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शांति देवी शराफ। (अन्तरक)

2. श्रीमती राम मूर्ति देवी अगरवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमिसेज नम्बर 138, कौटन स्ट्रीट, कलकत्ता का 3 कट्टा 12 छटांका रवाबे का जमीन पर ईंट निर्मित पांच मंजिला आवासीय मकान का सभी अधिभाजित दो तिहाई हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, पा-13, चौरंगी स्वनाथर,

कलकत्ता-1

दिनांक: 11-12-1973

मोहरः]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० टी० आर०-506/सी०-93/कल०-1/73-74-यतः, मुझे, एस०के०, चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 138 है, जो कौटन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्योरेसेज नं० 5, गवर्नमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नन्द लाल सराफ।

2. श्रीमती राम मूर्ति देवी अगरवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमिसेस नम्बर 138 कौटन स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित 3 कट्टा और 12 छटांक के रकबे पर ईंट निर्मित पांच मंजिला आवासीय मकान का सभी अविभाजित एक तिहाई हिस्सा।

एस०के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, पी-13, चौरंगी स्वबायर,

कलकत्ता-1

तारीख : 11-12-1973,

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० टी०आर०-771/सी-133/कल-1/73-74—यतः,
मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 28बी है, जो अभेदानन्द रोड़, कलकत्ता में
स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ
एस्योरेसेज 5, गवर्नमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता, में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
2-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुबोल चन्द्र धर (अन्तरक)
2. श्री शिवनाथ बसाक (अन्तरिती)
- श्री जीवन कृष्ण बसाक

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है ।

1. श्री हजारि लाल साव
2. ,, रामदेव गुप्ता
3. ,, हृधनाथ प्रसाद
4. ,, संगु राम राजेन्द्र प्रसाद
5. ,, चुनीलाल साव
6. ,, सरजू नारायण गुप्ता
7. ,, अमित कुमार बोस
8. ,, ई० के० जे० शर्मा
9. ,, गौरांग नाथ बनर्जी
10. ,, गोपी नाथ बसाक

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें उपर्युक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रमिसेस संख्या 28बी अभेदानन्द रोड़ (पूर्व परिचित 32/
8 बीडन स्ट्रीट और 32/14बी बीडन स्ट्रीट) कलकत्ता स्थित
चार मंजिला ईट निर्मित आवासीय मकान साथ में जमीन जिसका
रकबा तकरीबन (कमोबेस) 2 कट्टा 6 छटांक और 39 स्ववायर
फीट है ।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, पी-13, चौरंगी स्ववायर,

तारीख : 7-12-1973

कलकत्ता-1

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० टी० आर०-440/सी-54/कल०-2/73-74—
यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 176 है, जो राम बिहारी एम्व्यू, कलकत्ता-29
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-
रजिस्ट्रार सियालदह, 24-परगना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-6-73 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय जाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कना बैनर्जी, स्वर्गीय रनजीत कुमार बनर्जी की
विधवा स्त्री। (अन्तरक)

2. श्रीमती शांति बोस पत्नी, श्री रस रंजन बोस
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमिसेस नम्बर 176 रास बिहारी एम्व्यू, थाना-बालीगंज,
कलकत्ता-29 का पिछला हिस्सा जिसका माप 3 कट्टा 1 छटांक
और 20 स्ववायर फीट है।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, पी-13, चौरंगी स्ववायर,
कलकत्ता-1

तारीख : 10-12-1973

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर, 1973

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/12/73-74---यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम-126 है, जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई कसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की

उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री गुलशन राय जौहर पुत्र श्री जसवन्त राय जौहर निवासी लूंग संग, टी० ई चैपनाला" पो० आ० (अप्पर असाम) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका नं० 126 ब्लॉक नं० एम क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11 के गांव बहारपुर दिल्ली में है ।

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 13 दिसम्बर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1973

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/73-74—यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 150, 142, 143 है, जो गांव नेब सराय, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की

उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अशोक कुमार छावरा पुत्र श्री देश राज छावरा, 1 रिंग रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० जगोदिथा इन्टरप्राजिज प्रा० लिमिटेड, 10 हेल मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 7 बिघा, 18 बिघास जो कि गांव नेब सराय, तहसील महरोली, नई दिल्ली में है।

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 13 दिसम्बर 1973

मोहर :

**संघ लोक सेवा आयोग
नोटिस**

हिंदियन नेवी परीक्षा, जुलाई, 1974

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर, 1973

सं० एफ० 10/4/73-ई० 1 (बी०)—भारत के राजपत्र दिनांक 15 दिसम्बर, 1973 में रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित अधिसूचना सं० 41, दिनांक 21 दिसम्बर, 1973 के अनुसार नेवल एकेडेमी, कोच्चिन, में जनवरी, 1975 में प्रारंभ होने वाले सत्र में प्रशिक्षण पाने के लिए भारतीय नौसेना में स्पेशल एंट्री नोटेटों के प्रवेश हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इलाहाबाद, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, पाटनगर, शिलांग तथा त्रिवेन्द्रम में 2 जुलाई 1974 से एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा को समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपाबंध II, पैरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 40 होगी।

इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार को अविवाहित पुरुष होना चाहिए और उसका जन्म 2 जनवरी, 1953 से पूर्व का नहीं होना चाहिए तथा 1 जनवरी, 1956 के बाद का नहीं होना चाहिए। इन आयु-सीमाओं में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जा सकती है।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण एक रुपया देकर आयोग में डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर भी प्राप्त किए जा सकते हैं। एक रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

आवेदन-प्रपत्र तथा संबद्ध कागजात निम्नलिखित किसी प्राधिकारी से भी निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं:—

- (i) फ्लैग अफसर कमांडिंग-जन-चीफ, पश्चिमी नौसेना कमान, बम्बई।
- (ii) फ्लैग अफसर कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापट्टनम।

(iii) फ्लैग अफसर कमांडिंग, दक्षिण नौसेना एरिया, कोच्चिन।

(iv) नेवल अफसर-इन-चार्ज, कलकत्ता।

(v) नेवल अफसर-इन-चार्ज, मद्रास।

(vi) नेवल अफसर-इन-चार्ज, अंडमान एवं निकोबार।

(vii) नेवल अफसर-इन-चार्ज, काठियावाड़।

(viii) नेवल अफसर-इन-चार्ज, गोवा।

नोट:—उम्मीदवारों को ध्यानवनी दी जाती है कि ये अपने आवेदन-पत्र इंडियन नेवी परीक्षा, जुलाई, 1974 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। इंडियन नेवी परीक्षा, जुलाई, 1974 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 के पास 11 फरवरी, 1974 को या उससे पूर्व (11 फरवरी, 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 25 फरवरी 1974 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

नोट:—यदि उम्मीदवारों को उपर्युक्त पैरा 4 के दूसरे उप-पैरा में उल्लिखित रक्षा प्राधिकारियों से आवेदन-प्रपत्र एवं संबद्ध कागजात प्राप्त करने में कठिनाई या देरी हो तो उन्हें उपरोक्त पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित क्रियाविधि के अनुसार उपर्युक्त प्रपत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, से प्राप्त करने के लिए सामयिक कार्रवाई अवश्य करनी चाहिए।

7. उक्त परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबंध 1 में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाबंध 1 के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से सम्बद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

9. यदि कोई उम्मीदवार भारतीय नौसेना में प्रवेश के लिए दिसम्बर, 1973 में होने वाली इंडियन नेवी परीक्षा में

बैठा हो, और अब इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा-परिणाम या इंडियन नेवी में प्रवेश प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि निर्धारित तारीख तक वह आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह दिसम्बर, 1973 में ली गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर नेशनल डिफेंस एकेडेमी में या नेवल एकेडेमी कोचिन में प्रवेश पा जाता है तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाबंध I में पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता।

एम० एस० प्रथी
उप सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग।

उपाबंध I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में ₹० 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹० 7.00) का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क को संबद्ध भारतीय मिशन में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रवाजन कर भारत आया हुआ वास्तविक निवासी व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रवासी मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से वास्तविक रूप में प्रवासी मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है, और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया है किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे ₹० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के मामले में ₹० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि अधिसूचना के पैरा 8 के नीचे नोट I की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

11—36601/73

उपर्युक्त नोटिस के पैरा 9 में उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबंध II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित रीति के अनुसार इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय तथा कुछ अन्य प्राधिकारियों से प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पायती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिंदु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पायती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयोग, यदि चाहे तो, विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 11 फरवरी, 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारी की हैसियत में कार्य कर रहा हो उसे अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो पृष्ठांकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का संकलन 'सी') को भर आयोग को भेज देगा।

धूल, जल या वायु सेना में कार्य करने वाले उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग ऑफिसर की मार्फत भेजना चाहिए जो पृष्ठांकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का संकलन 'सी') को भर कर आयोग को भेज देगा।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता की अंतिम तारीख में पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए :—

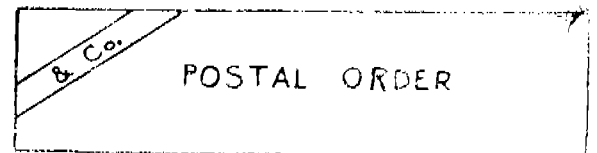
- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर (देखिए उपाबंध 1)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
- (v) नाबालिग उम्मीदवार के माता पिता/अभिभावक द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र।
- (vi) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (vii) जहां लागू हो वहां शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 6)।

नोट:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (vi), तथा (vii), पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा साक्ष्यांकित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर सेवा सचयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के सितम्बर, 1974 के महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को उस समय मांगे जाने पर आयोग को प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए।

मद (i) से (vi) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं :—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :—



तथा इस प्रकार भरा जाए : Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

किसी अन्य डाकघर या देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरूपित या फटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 28.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00 के बराबर) यथास्थिति उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष—
"XXI MISCELLANEOUS DEPARTMENT EXAMINATION FEES—RECEIPTS OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION"
में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राध्यापारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मेट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण (एक्स्ट्रेक्ट) में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा का प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी कभी मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को नेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी नेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में किसी जन्म की तारीख सर्टिफिकेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी न करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को अपने प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि अधिसूचना के पैरा 8 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस माध्यम पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

अदि की 1 उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने से सम्बद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र का प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि के अतिरिक्त प्रिंसिपल/विभागाध्यक्ष से इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, अवश्य भेजना चाहिए कि उसे अधिसूचना के पैरा 8 में निर्दिष्ट विषयों में अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश देने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार पात्र पाए गए तो उन्हें इस परीक्षा में प्रवेश दिया जाएगा परन्तु उनके परीक्षा में प्रवेश की यह अनुमति अनन्तिस मानी जाएगी और यदि वे व्यावहारिक प्रशिक्षण/परियोजना कार्य सहित परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण नीचे निर्धारित प्रपत्र में

जल्दी से भेदी, और हर हालत में 30 नवम्बर, 1974 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

अर्हक परीक्षा में उत्तीर्णता के निदर्शन में प्रमाण-पत्र

1. प्रमाणित किया जाता है कि श्री मुपुत्र श्री ने जो इस कालेज के छात्र रहे हैं परीक्षा उत्तीर्ण की और डिग्री प्राप्त करने हेतु पात्र बनने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण/परियोजना कार्य पूरा किया।

यह प्रमाणित किया जाता है कि उन्होंने व्यावहारिक प्रशिक्षण/परियोजना कार्य सहित उपर्युक्त परीक्षा को समाप्त की और अब वे डिग्री प्राप्त करने के पार हैं।

*2. प्रमाणित किया जाता है कि श्री मुपुत्र श्री मास, 19 में द्वारा आयोजित परीक्षा में बैठने वाले बैठे हैं और उपर्युक्त परीक्षा व्यावहारिक प्रशिक्षण/परियोजना कार्य सहित जिसने वे डिग्री प्राप्त करने के पात्र होंगे संभवतः 19 को समाप्त हो जाएगी।

हस्ताक्षर

पदनाम

दिनांक :—

संस्था का नाम

कहाँ स्थित है

*जो लागू न हों, उसे काट दें।

(iv) फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह तब्दी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

(v) नाबालिग उम्मीदवार के माता-पिता/अभिभावक के हस्ताक्षर से प्रस्तुत कर किया जाने वाला प्रमाण-पत्र : नाबालिग उम्मीदवार को यह प्रमाण-पत्र, आवेदन-पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में अपने माता-पिता/अभिभावक से विधिवत भरवाकर आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत करना चाहिए। यदि ऐसा कोई उम्मीदवार आवेदन-पत्र के साथ यह प्रमाण-पत्र भेजने में असमर्थ है तो उसे अपने आवेदन-पत्र में इसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण अवश्य देना चाहिए। ऐसी स्थिति में उसे प्रमाण-पत्र को आवेदन-पत्र से अलग कर लेना चाहिए, और यदि वह इस परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण जाता है तो, उसे सेवा चयन बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने पर प्रस्तुत करना चाहिए।

मावालिग उम्मीदवारों को यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें इस प्रमाण-पत्र के बिना सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे इस प्रमाण-पत्र के उपलब्ध न होने पर भी आवेदन-पत्र भेजने में किसी भी हालत में विलम्ब न करें।

ध्यान दें :—

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), 3 (iv) और 3 (v) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे [ऊपर पैरा 3 (iii) तथा पैरा 3 (v) के नोट 1 में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर] हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए अन्तिम निर्धारित तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. उम्मीदवारों को सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के समय उन प्रमाण-पत्रों आदि में से किसी की भी मूल प्रति दिखाने को कहा जा सकता है जिनकी प्रतिलिपियां उन्होंने प्रस्तुत की हों।

5. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उनके माता-पिता (मा जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या (किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है, जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री
 सुपुत्र श्री जो गांव/कस्बा*
 जिला/मंडल*
 राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र
 के निवासी हैं
 जाति/आदिम* जाति के हैं जिसे

निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/*अनुसूचित आदिम जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के माध्यम से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956।

संविधान (अंडमान और निकोबार-द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1959*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1962*।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*।

संविधान, (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*।

संविधान (गोआ, दमन और दिवु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*।

संविधान (गोआ, दमन और दिवु) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1968*।

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1970*।

2. श्री और/वा *उनका परि-
 वार आम तौर से गांव/कस्बा* जिला/
 मंडल* राज्य/संघ* राज्य
 क्षेत्र* में रहते हैं/रहता*
 है।

हस्ताक्षर

**पदनाम

(कार्यालय की मोहर)

स्थान

तारीख

राज्य*

संघ राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों उन्हें रूपवा काट दें।

नोट :—यहां “आम तौर से रहते/रहती है” का अर्थ वही होगा जो “ग्रेजुएशन आफ पीपुल ऐक्ट, 1950” की धारा 20 में है। अनुसूचित जाति*/आदिम जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लेक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडिशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/मिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडिशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रीजेडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डिप्लोमेट अफसर (लकादिव, मिनिक्बाय और अमिनदिव द्वीपसमूह)

6. (1) उपाबन्ध-I के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि वह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1974, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रजनन कर भारत आया है :—

- (1) दंडकारण्य परिशोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैंप कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन सम्बद्ध सब-डिवीजनल का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उपशरणार्थी पुनर्वास, आयुक्त पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि वह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) उपाबन्ध—I के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित

मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय में लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) उपाबन्ध-I के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि वह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिया गया एक प्रमाण-पत्र यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए अधिसूचना के पैरा 4 के अनुसार पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो तो उसे प्रशिक्षण के लिए अपना व्यय हो जाने के बाद, अभीष्ट पात्रता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रक्षा मन्त्रालय को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी सही सूचना को न छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किए गए झूठे प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा।

यदि परीक्षा के शुरु होने की तारीख से एक महीने तक उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र व्यवहार :—आवेदन-पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र आवि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का महोत्सव और वर्ष
3. उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्मतिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

ध्यान दें:—जिन पत्रों आवि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभव है उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

12. पत्रों में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर उसको बदले पत्र पर मिल जाया करें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 11 में उल्लिखित ब्यौरा के साथ ब्रह्मशीघ्र दी जानी चाहिए।

यदि आयोग द्वारा सेवा जयन बोर्ड को साक्षात्कार के लिए अनुशंसित उम्मीदवारों ने परीक्षा के लिए आवेदन-पत्र भेजने के बाद पत्रों में परिवर्तन किया है तो उन्हें, लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद, बदले हुए पत्रों के बारे में नौसेना मुख्यालय नई दिल्ली-110011, को भी सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इस आवेदन का पालन नहीं करेगा वह, सेवा जयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के लिए सम्मन प्राप्त न होने पर, अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करते हैं, किन्तु इस विषय में वे कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकते।

13. जिन उम्मीदवारों के नामों की अनुशंसा सेवा जयन बोर्ड को साक्षात्कार के लिए कर दी गई हो उन्हें अपने साक्षात्कार से सम्बद्ध पूछताछ या अनुरोध, यदि कोई हो, सीधे नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली-110011, को भेजना चाहिए।

संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं० 50

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमन्त्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1974 को निर्धारित आयु सीमाओं के अन्तर्गत होनी चाहिए। किन्तु सरकारी कर्मचारियों

को, उन पदों को छोड़कर जिनके सम्बन्ध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रयोजन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़ कर जिनके सम्बन्ध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारम्भिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, ग्राहजहा रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करने समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं पद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23 × 10 सें० मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पाकिस्तान से प्रयोजन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ कर सकता है जो यथाशक्तः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तारीख 14 जनवरी, 1974 (विदेशों में तथा अंजमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लकाद्वीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 28 जनवरी, 1974) है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 6 के पांच पद स्थायी हैं। क्रम-संख्या 1 तथा 11 के पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 2 तथा 5 के पद अस्थायी हैं। किन्तु उनके स्थायी कर दिए जाने की सम्भावना है। क्रम-संख्या 6 के पांच पद तथा क्रम-संख्या 3, 4, 7, 8, 9, 10 तथा 12 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की सम्भावना है।

क्रम-संख्या 11 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और यदि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों का कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलता है तो उसे अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 6 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा।

1. एक संयुक्त निदेशक, भारतीय वनस्पति संरक्षण, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग : वेतन :—रु० 1300-60-1600। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) वनस्पति विज्ञान में डाक्टरेट। (ii) निम्नलिखित में किसी एक या एक से अधिक शाखाओं में उच्च स्तरीय अनुसन्धान का लगभग 10 वर्ष का अनुभव :—परिस्थिति विज्ञान, वर्गीकृत वनस्पति विज्ञान, वनस्पति आकृति विज्ञान, कोशिका विज्ञान, अर्थ वनस्पतिविज्ञान, वनस्पति क्रिया विज्ञान। (iii) प्रशासनिक अनुभव तथा कोई वृद्ध वनस्पति प्रयोगशाला चलाने का अनुभव।

2. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड II (जीव रसायनज्ञ), सशस्त्र सेना मेडिकल कालेज, पूना, रक्षा मन्त्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से जीव रसायन विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) अध्यापन/अनुसन्धान का, वरीयत : किसी मेडिकल कालेज में दो वर्ष का अनुभव।

3. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, रक्षा खाद्य अनुसन्धान प्रयोगशाला, मेमूर, अनुसन्धान तथा विकास संगठन, रक्षा मन्त्रालय। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० री०-30-800-द० री०-30-830-35-900। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से जीव रसायन विज्ञान/पोषाहार/खाद्य विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की एम० एम०-सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

4. एक कनिष्ठ विश्लेषक, खाद्य अनुसन्धान और मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय। वेतन :—रु० 325-25-500-30-680। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) रसायन विज्ञान या तकनीकी रसायन विज्ञान या जीव-रसायन विज्ञान या खाद्य रसायन विज्ञान या कृषि रसायन विज्ञान में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी विख्यात खाद्य प्रयोगशाला में विश्लेषण का काम से कम दो वर्ष का अनुभव।

5. उत्पादन इंजीनियरी का एक सह आचार्य, पंजाब इंजीनियरी कालेज, चन्डीगढ़, अन्धगोष्ठ प्रशासन। वेतन :—रु० 800-50-1300-50-1600। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से औद्योगिक इंजीनियरी में विशेषता के साथ उत्पादन

इंजीनियरी में "डाक्टरेट" अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) डिग्री कक्षाओं में पढ़ाने का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव। अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से औद्योगिक इंजीनियरी में विशेषज्ञता के साथ उत्पादन इंजीनियरी में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) कम से कम 5 वर्ष का अध्यापन अनुसन्धान व्यावहारिक या अभिकल्पन का अनुभव जिसमें डिग्री कक्षाओं में पढ़ाने का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव सम्मिलित हो।

6. दस इंजीनियर और पोत सर्वेक्षक, वाणिज्य नौ विभाग, बहाजराजी और परिवहन मन्त्रालय। वेतन :—रु० 900-40-1100-50-1400-50/2-1500। आयु-सीमा :—35 वर्ष। सरकारी कर्मचारियों को छूट नहीं दी जाएगी। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) प्रथम श्रेणी इंजीनियर का सक्षमता प्रमाणपत्र (वाष्प और मोटर)। (ii) समुद्र पर 5 वर्ष की सेवा जिसमें से एक वर्ष मुख्य इंजीनियर या द्वितीय इंजीनियर की हैमियत से अवश्य सेवा की हो।

7. वैद्युत इंजीनियरी का एक सहायक आचार्य (इलेक्ट्रानिकी एवं दूर-संचार), दिल्ली इंजीनियरी कालेज, दिल्ली, दिल्ली प्रशासन। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रानिकी तथा दूर-संचार में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रानिकी तथा दूर-संचार में स्नातकोत्तर डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता तथा साथ में इलेक्ट्रानिकी और दूर-संचार में विशेषज्ञता। (iii) मास्टर डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए कम से कम 5 वर्ष (डाक्टरेट डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए 3 वर्ष) का अनुसन्धान/व्यावसायिक कार्य/डिग्री, स्तर पर अध्यापन का अनुभव।

8. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड I वैमानिक विकास प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसन्धान तथा विकास संगठन, रक्षा मन्त्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु :—वरीयत : 40 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी वैमानिक प्रतिष्ठान की कर्मशाला में किसी दायित्वपूर्ण हैमियत में लगभग 4 वर्ष का अनुभव।

9. वैद्युत इंजीनियरी का एक आस्थाता, बवायज पाली-टेकसीक, तकनीकी शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० री०-35-950। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैद्युत इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) लगभग एक वर्ष का व्यावसायिक या अध्यापन का अनुभव।

10. एक मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, भारतीय सुरक्षा प्रेंस, वित्त मन्त्रालय। वेतन :—रु० 1100-50-1400। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी

मान्यता विद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता

(ii) किसी सरकारी विभाग या विख्यात वाणिज्यिक प्रतिष्ठान में किसी दायित्वपूर्ण हैसियत से लगभग 8 वर्ष का प्रशासनिक अनुभव।

11. अंग्रेजी का एक मास्टर, राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कालेज, देहरादून, रक्षा मन्त्रालय। वेतन :—रु० 325-15-475-३० रो०-25-500-30-680। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) अध्यापन में डिग्री या डिप्लोमा अथवा किसी मान्यताप्राप्त स्कूल/कालेज में अध्यापन का लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

12. दो अन्वेषण अधिकारी, कम्पनी कार्य विभाग, बिधि, न्याय, और कम्पनी कार्य मन्त्रालय। वेतन :—रु० 350-25-575। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गणित या सांख्यिकी या अर्थशास्त्र या वाणिज्य में द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

शुद्धि-पत्र

1. एक प्राविधिक सहायक (लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्रालय। सन्दर्भ :—दिनांक 13-10-1973 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 41 की मद संख्या 51 सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि अब पद की भर्ती रद्द कर दी गई है। जिन उम्मीदवारों ने आयोग के उपर्युक्त विज्ञापन के आधार पर आवेदन किया था उनके द्वारा अदा किया गया शुल्क यथावधि लौटा दिया जाएगा।

2. वाणिज्य व्यवसाय के तीन आख्याता, तकनीकी शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली, वाणिज्य व्यवसाय संस्थान, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। सन्दर्भ :—14-7-1973 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 28 की मद-संख्या 17/सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि उक्त पदों की भर्ती अब रद्द कर दी गई है। जिन उम्मीदवारों ने आयोग के उपर्युक्त विज्ञापन के आधार पर पहले ही आवेदन कर दिया था उनके द्वारा अदा किया गया शुल्क यथावधि लौटा दिया जाएगा।

इंडियन नेबी परीक्षा, जुलाई, 1974

भारतीय नौसेना के लिए स्पेशल एंट्री कैंडिडेटों के चयन हेतु 2 जुलाई, 1974 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

2. आयु-सीमाएं :—उम्मीदवार का जन्म 2 जनवरी, 1953 से पूर्व तथा 1 जनवरी 1956 के बाद का नहीं होना चाहिए। इन आयु सीमाओं में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

3. योग्यताएं :—गणित और भौतिकी के विषयों के साथ विज्ञान में “बैचलर” डिग्री अथवा इंजीनियरी में “बैचलर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। डिग्री अथवा समकक्ष परीक्षा में सम्मिलित हुए या सम्मिलित होने वाले उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र अनन्तिम रूप से स्वीकार किए जाएंगे।

4. परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण तथा आवेदन-प्रपत्र सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, भोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, से रु० 1.00 के मनीआर्डर द्वारा अथवा आयोग के काउन्टर पर नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को मनीआर्डर कूपन पर “इंडियन नेबी परीक्षा, जुलाई, 1974” स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए तथा अपना नाम और पत्र व्यवहार का पूरा पता भी साफ-साफ बड़े अक्षरों में लिखना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चेक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जायेंगे। पूर्ण विवरण तथा आवेदन-प्रपत्र बन्दरगाहों पर स्थित नौसेना प्राधिकारियों से भी निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं।

5. भरे हुए आवेदन-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 11 फरवरी, 1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों द्वारा 25 फरवरी, 1974) तक अवरुद्ध पहुंच जाने चाहिए।

अशोक चन्द्र बन्दोपाध्याय,

सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 7th November 1973

No. F. 32/237/73-SCA(ii).—On the expiry of leave from 27-10-73 to 2-11-73 (both days inclusive), Shri M. P. Saxena resumed charge of the office of the Registrar, Supreme Court on the forenoon of 3rd November, 1973.

S. K. GUPTA
Registrar (Admn.)

New Delhi, the 17th November 1973

No. F. 32/312/73-SCA(ii).—Shri V. K. Chitre, Chief Librarian, has been granted earned leave for 30 days from 1st to 30th November, 1973 (both days inclusive).

T. K. MAHADEVA RAO
Deputy Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 21st November 1973

No. A. 32013/1/73-Admn.I.—Shri R. P. Satkartaria, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this office Notification No. A. 32013/1/73-Admn. I dated 8th October, 1973 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 3rd October, 1973.

2. On his reversion, Shri R. P. Satkartaria resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 3rd October, 1973.

M. R. BHAGWAT
Under Secretary,
Union Public Service Commission

**CABINET SECRETARIAT
ENFORCEMENT DIRECTORATE
(DEPARTMENT OF PERSONNEL)**

New Delhi, the 1st September 1973

No. A-11/47/73.—Shri W. S. Vaingankar has been appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in the Bombay Zonal Office of the Enforcement Directorate with effect from 9-7-1973 (forenoon).

The 29th September 1973

No. A-11/52/73.—Shri M. S. Chrungu, Air Customs Officer at Palam, New Delhi, is hereby appointed as Enforcement Officer in the Srinagar Sub-Zonal Office of this Directorate with effect from 7-9-1973 (F.N.) and until further orders.

A. K. GHOSH
Director

**(DEPTT. OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE
REFORMS)**

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-1, the 6th November 1973

No. S-30/72-AD.V.—The Services of Shri S. K. Mukherjee, Dy. S. P. Central Bureau of Investigation, E.O.W., Calcutta on deputation from the West Bengal, are placed back at the disposal of Govt. of West Bengal w.e.f. 1-10-73 (F.N.).

G. L. AGARWAL
Administrative Office (E) C.B.I.

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110003, the 1st November 1973

No. E-16013(2)/10/73-Ad.I.—On transfer on deputation from Haryana, Shri Hans Raj Swan, IPS (Haryana—1957), 17—366GI/73

assumed the charge of the post of Assistant Inspector General, Central Industrial Security Force with Headquarters at New Delhi with effect from the Forenoon of 12-11-1973.

L. S. BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 14th November 1973

No. 25/32/73-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri W. Shaiza, Administrator, Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands as Director of Census Operations for the Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands in an ex officio capacity with effect from the forenoon of the 22nd May, 1973 until further orders.

No. 25/13/71-RG (Ad.I).—Consequent on his reversion from the post of Deputy Director (Data Processing) in the Office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Shri M. P. Rao assumed the charge of the post of Programmer in the Office of the Registrar General, India with effect from the forenoon of the 9th August, 1973 in a temporary capacity until further orders.

R. B. CHARI,
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Dy. Secy.

NATIONAL POLICE ACADEMY

Abu, the 23rd November 1973

No. 41/11/73-Estt.—On transfer from the post of Chief Security Officer in the Ministry of Home Affairs, Shri Harpal Singh, I.P.S., Haryana State Cadre assumed charge as Deputy Director in the National Police Academy, with effect from the forenoon of 21st November, 1973.

S. G. GOKHALE
Director

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, J. & K.

Srinagar, the 3rd November 1973

No. Admn-1/60(56)/73-74/3423.—The Accountant General, Jammu and Kashmir, has appointed Shri Krishen Dev Sharma, a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the forenoon of 3rd November 1973, till further orders.

No. Admn-I/60(55)73-74/3416.—The Accountant General, Jammu and Kashmir, has appointed Shri Lassa Koul Walli, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts Officer with effect from the forenoon of 3rd November 1973, till further orders.

S. J. S. AHLUWALIA
Sr. Deputy Accountant General (A&E)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1973

No. F. 690/73-74.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at 5, 1st Road, Cenatoph Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mylapore on 26-6-1973, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) V. R. Baktavatsalam as Executor to the Estate of C. Sesachalam, 41, Luz Church Road, Mylapore, Madras-4.
(Transferor)
- (2) R. Ganeshan, No. 7, 4th Cross St., R. K. Nagar, Madras.
(Transferee)
- (3) Chinnanavayanan. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land (with building) admeasuring 7 Grounds & 571 Sq. ft. situated at No. 5, 1st Road, Cenatoph Road, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Dated : 12-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION
RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1973

Ref. No. RAC. No. 115/73-74.—Whereas, I, S. Balasubra-
maniam, being the Competent Autho-rity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bear-ing
No. 3-6-317 & 318 situated at Basheerbagh, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred as per deed registered under
the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at Hyderabad on 21-6-1973 for an
apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely :—

- (1) Sri Shyamlal Agarwal Thro' G.P.A. Holder : Desh-
pande, S/o Damodar, R/o Kingsway, Secunde.abad.
(Transferor)

- (2) Smt. Susheela Devi W/o B. Agarwal, Basheerbagh,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later :

- (b) by any of the person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable pro-
perty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and
the transferee of the property.

It is hereby notified that a date and place for hear-
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 3-6-317 & 318, Basheerbagh, Hydera-
bad. Area : 642 S. Yds.

S. BALASUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date : 6-12-1973.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1973

Ref. No. RAC. No. 114/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-2-220, situated at Marredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad on 30-6-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Mushthayala V. Hanumantha Rao, H. No. 76, Marredpally, Secunderabad. (Transferor)

(2) Sri Yedugani Agaiah & Smt. Yedugani Dhanalaxmi, Both R/o 5833/34, Regimental Bazar, Secunderabad. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property :—Plot No. 269, Double Storeyed building bearing H. No. 10-2-220, admeasuring 600 Sq. Yds with open space wall constructed in the lease-hold, situated at Marredpally, Secunderabad.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Range, Hyderabad.

Date : 6-12-1973.

(Seal)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
RANGE, HYDERABAD

Hyderabad. the 6th December 1973

Ref. No. RAC. No. 113/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 4-1-356 situated at Hanuman Tekdi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 2-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Jaffer Sultan, S/o Late Amir Sultan Saheb, H. No. 3-5-583, Himayathnagar, Hyderabad, 2. Smt. Shammam Sultan W/o Mr. Jafer Sultan, H. No. 3-5-583, Himayathnagar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) 1. Sri Mohd. Ayub, S/o Abdul Hameed Saheb, 2. Sri Mohd. Yanus S/o Abdul Hameed Saheb, 3. Sri Mohd. Yousif S/o Abdul Hameed Saheb, all residing at one place H. No. 5-9-700 Gounfoundry, Hyderabad-1, (S. No. 2 & 3 at present at Kuwait, represented by his authorised agent Sri Ali Mohsin Hakim, registered GPA dt. 10-12-1972.
- (3) Superintendent of Postal Stores Department, Hyderabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of house No. 4-1-356, Hanuman Tekdi, Hyderabad. Portion 376.92 Sq. Meters.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 5-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6147.—Whereas, I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. M-120 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 16-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Mohini N. Bhojwani w/o Shri Nanik Ram Bhojwani r/o Block-I, Type IV, Flat No. 5, Central Govt. Colony, Ghatkopar, West Bombay-86. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 120 in Block No 'M' measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road
West : S. Lane
North : Plot No. M/118
South : Plot No. M/122

C. V. GUPTA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 7th December 1973

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6147.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-417 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Satnam Singh s/o Shri Gurbux Singh & (2) Smt. Avtar Kaur w/o Shri Gurbux Singh, r/o 28, Zamrudpur, G. Kailash, New Delhi. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 250 sq. yards & bearing No. E-417 in a residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority

Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 7th December 1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6147.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-29 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 29-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Shri Raghbir Singh Lamba s/o Shri Kesar Singh Lamba r/o D-62, South Extension, Part-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 29 in Block No. M, measuring 250 sq. yds. situated at village Baharpur in the residential colony known as Greater Kailash-II in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

(1) M/s D.I.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

Date: 7th December 1973

Seal:

FORM IITS—

(2) Shri Prem Kumar s/o Shri Lal Chand r/o R/12,
West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6147.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-184 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D.I.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 184 in Block No. M, and measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition
Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 7th December 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6147.—Whereas, I. C. V. Gupte, being the competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-1 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 18-6-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s Satish Trading Co. through partner Smt. Sheela w/o Shri Baldev Raj Sachdeva c/o M/s Hans Raj Enterprise, K-64, Greater Kailash, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing Plot No. 1 in Block No. W, and measuring 1144 sq. yards situated in the residential colony known as Greater Kailash-II at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 7th December 1973

Sent:

FORM ITNS—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place,
New Delhi. (Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Vinay Bharat Batra s/o Shri G. L. Malik, 9,
Model Town, Ambala City. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6147.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-95 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 29-6-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 95 in Block No. E, and measuring 250 sq. yards situated in a residential colony known as Greater Kailash-II at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,

Range-II, New Delhi

Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 7th December 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6147.—Whereas, I, C. V. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-397 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 18-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

- (2) Shri Yogesh Kumar Batra s/o Shri Hakimaraj Batra, 8/21, South Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 397 in Block 'S' and measuring 315 sq. yards and situated in the residential colony known as Greater Kailash-II at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

North : Plot No. S-395
 South : Plot No. S-399
 East : Road
 West : S. Lane

C. V. GUPTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range II
 Delhi/New Delhi

Date : 7th December 1973
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6147.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S120 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Vir Sain Khanna s/o Shri R. G. Khanna, 143, Chiabi Ganj, Kashmere Gate, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing Plot No. 120 in Block No. 'S' and measuring 300 sq. yards situated in the residential colony known as Greater Kailash-II at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. S-118
South : Plot No. S-122
East : S. Lane
West : Road

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 7th December 1973
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurbachan Singh Bhasin, 9/6, Kalkaji Extension, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6147.—Whereas, I. G. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-98 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 7-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold lot of land measuring 300 sq. yards bearing No. S-98 in a residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range I, New Delhi

Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 7th December 1973

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place,
New Delhi. (Transferor)(2) Smt. Sushma Singh w/o Shri Bir Inder Singh, C-268,
Defence Colony, New Delhi. (Transferee)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6147.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. E-193 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 193 in Block No. E, and measuring 250 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi

Date : 7th December 1973.

Sent -

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6147.—Whereas, I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-40 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-6-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri T. S. Bhatija s/o Shri Samval Dass Bhatija, M-79, Malvia Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 277.5 sq. yards & bearing No. M-40 in the residential colony known as Greater Kailash-II New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition
Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 7-12-73.

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Mohinder Kaur w/o Shri Anup Singh, r/o 7/2, South Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Asq.II/73-74/6147.—Whereas, I. C. V. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-285 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more

fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 285 in Block No. M, measuring 400 sq. yds. situated in a residential colony known as Greater Kailash-II, at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition
Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 7th December 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6147.—Whereas, I. C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-112 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

- (2) Smt. Kamal Sachdev w/o Shri Joginder Nath Sachdev, 15, Park Road, Burupur, Dist. Burdwan, West Bengal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 400 sq. yards & bearing No. M-112 situated at village Baharpur in the residential colony known as Greater Kailash-II in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition
Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 7th December 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR-I/Sept-I/460(19)/73-74/6122.—
Whereas, I, D. B. Lal,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have
reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 27/19 situated at Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-
tering officer at Delhi on 7-9-1973, for an apparent
consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the
object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely:—

(1) (i) Shri Ram Dhan Mangoo S/o Shri Lurind Chand
Mangoo (ii) Shri Kulbir Singh S/o Sh. Wazir Chand
Mangoo R/o Village and Post Office Awal, District
Rohtak (Haryana). (Transferor)

(2) (i) Shri Satya Bhushan S/o Sh. Devki Nandan (ii)
Shri Subhash Chander S/o Sh. Devki Nandan R/o
E-3, Rattan Park, New Delhi-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires
later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property will be
fixed, and notice thereof shall be given to every person who
has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing No. 207 on Road No. 19,
situated at Punjabi Bagh, New Delhi measuring 363.15 sq.
yds. and bounded as under:—

North : Plot No. 25
South : Road No. 11
East : Service Lane
West : Road No. 19

D. B. LAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 7th December 1973

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri B. Anantha Pai, S/o Shri Gopala Pai, Puttur Kasaba, Mangalore District. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Sanjeeva Shetty, S/o Shri Babu Shetty, Kallare, Puttur Kasaba, Mangalore District. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bangalore-27, the 6th December 1973

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. C.R.62/1422/73-74/Acq.(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property in survey No. 11-1-1, situated at Northern portion of Kallanadare village, Puttur Tq., Mangalore District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Puttur on 25-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property in Survey No. 11-1-1, Northern portion of Kallanadare village, Puttur Tq., Mangalore District.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

B. MADHAVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date : 6-12-1973.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri T. C. Pani, No. 7, I Block, Jayanagar, Bangalore-11. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 6th December 1973

No. CR.62/1581/73-74/Acq.B.—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 346, in I Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore on 15-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Alalumalu Nateshwar, No. 32/A, Salai Street, Mailapura, Madras-4. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site No. 346, in I Block, Jayanagar, Bangalore.

B. MADHAVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-12-1973.

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 6th December 1973

No. C.R.62/1511/73-74/Acq.(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A portion of a site No. 549, situated at II Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Basavanagudi, Bangalore-4, on 4-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1)

- (1) Shri (1) K. O. Krishnaswamy, (2) K. Nagaraj, (3) D. Rameshwari, (4) Smt. M. Vanaja. At No. 161-62, 6th Block, Jayanagar Bangalore-11, (Transferor)
- (2) Shri (1) A. V. Dattatreya Bhat, (2) R. S. Mohan Prakash, at No. 26, 12th Block, Kumara Park West, Bangalore-20. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of a site No. 549 in II Block, Jayanagar, Bangalore-11.

B. MADHAVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I

Bangalore-27, the 6th December 1973

No. C.R.62/1519/73-74/Acq(B).—Whereas, J. B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property No. 18/2, 18/3 situated at Vani Vilas Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, Basavanagudi, Bangalore on 25-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati K. S. Lalithamma, No. 34/1, Vanivilas Road, Basavanagudi, Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri N. Vajram Setty, Partner in M/s. Quality Food Products & Gowrishanker Industries, Mysore Road, Bangalore. (Transferee)

* (3) (1) Directorate of Field Publicity (Information and Broadcasting) (2) Sri L. M. Inamdar, Regional Officer, of the above office. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 18/2 and 18/3, Vanivilas Road, Bangalore,

B. MADHAVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 6th December 1973

No. C.R. 62/1518/73-74.—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing House property No. 18/2 and 18/3, Vanivilas Road, Bangalore-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Basavangudi, Bangalore on 25th June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati K. S. Lalithamma, No. 34/1, Vanivilas Road, Basavangudi, Bangalore. (Transferor)

- (2) Shri T. V. Viswanatha Guptha, S/o Sri Vajram Setty, (in M/s. Quality Food Products, and Gowrishankar Industries, Mysore Road, Bangalore, (Transferee)

- (3) (1) Directorate of Field Publicity, (Information and Broadcasting) (2) Sri L. M. Inamdar, Regional Officer of the above office. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 18/2 and 18/3 Vanivilas Road, Bangalore.

B. MADHAVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 6th December 1973

No. C.R.62/1427/73-74/Acq.(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Properties situated in S. No. 34 (Kudi village) and Pigamanguru village, Udipi Tq. (Details of properties as per annexure enclosed) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Brahmanavar, Udipi Tq., on 19-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri (1) Jaganatha Navak, (2) Vanamala S. Navak, (3) M. Prabulla Chandra Nayak, (4) Smt. Chandrakala, (5) Smt. Ravikala, (6) Smt. Amritakala (7) Smt. Bhavani Bai, (8) Shri Umesh Rao (Sl. Nos. 1 & 7 residing at Kardbatu in Udipi town and Sl. Nos. 2 to 6 residing in Plot No. 7/15 Mowbray's Road, Madras and Sl. No. 8 in Hyderabad. (No. 2 above as the agent of Nos. 3 to 6) (Transferors)
- (2) (1) Mahabala Shetty and (2) Smt. Vimala N. Shetty, wife of No. 1, No. 34, Kudi village, Udipi Tq., (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this 15—366 GI/73

notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Properties situated in S. No. 34 (Kudi village) and Pigamanguru village, Udipi Tq., (details of properties as per annexure given below).

Annexure to Notice u/s 269D(1) in C.R. No. 62/1427/73-74/Acq.(B) dated 6/12/1973.

The Schedule of Properties

	Sy. No.	Kind	Extent
(i) Kudi Village:—	89—24	Wet	A—C
	91—3	-do-	0—24
	—23	-do-	0—33
	92—6	-do-	0—27
	—24	-do-	0—81
	—25	-do-	0—37
	—27	-do-	0—33
	—2	-do-	1—45
	96—26	-do-	0—58
	—31	-do-	0—17
	89—23	-do-	0—22
	93—21	-do-	0—30
	90—	-do-	0—78
	93—1	-do-	0—48
	—17	-do-	0—93
	—8	-do-	0—69
	—9	Garden	0—80
	92—12	Wet.	0—12
	—13	-do-	0—36
	—35	-do-	0—20
	93—20	-do-	0—06
	93—18	Dry.	0—08
	217—3	-do-	0—73
	92—23	-do-	0—50
	—28	Wet.	4—24
	—29	-do-	0—39
	—30	-do-	0—15
	93—11	-do-	0—30
	—19	-do-	0—06
	89—9	-do-	0—55
	—10	Drv	0—22
	91—4	Wet	0—49
	92—9	-do-	0—45
	—18	Garden	0—13
	—34	-do-	0—10
	93—22	Wet.	0—55
	95—5	-do-	0—16
	92—8	Dry.	0—83
	175—2D	Garden	0—61
	—2E	Dry	1—57
	92—19	-do-	2—84
	92—20	-do-	0—07
	89—8	Garden	0—26
	91—13	-do-	0—17
	92—17	-do-	0—20
		-do-	0—23
(ii) Pigamanguru village	89—1	Drv	1—00

B. MADHAVAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27.

Date: 6-12-1973.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th December 1973

Ref No. F. VII/4/8/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at S. No. 1625, 1626 and 1627 at Iravipudur, Agastheeswaram Taluk, Idallakkudi sub-district, Kanyakumari District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Edirakkudi on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sri Aranhaswami Iyer S/o Ananthakrishna Iyer, Asramam, Susindram P.O. Kanyakumari District.
(Transferor)

(2) (1) Sri Sundaralingam S/o Subramania Nadas Kizharakkalvilai, Nagercoil P.O. Kanyakumari
(2) Sri Ganesan, (3) Sri Sellasivalingam, (4) Sri Swayambu, Sri Sellavel, Sons of Sri Neelan Nadar Mukilavilai, Thenkombudur P.O.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring about 11 acres 30 cents in S.No. 1625, 1626 and 1627 situated at Travipudur, Agastheeswaram Taluk, Idallakkudi Sub-district, Kanyakumari District.

K. V. RAJAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Dated : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION
RANGE, HUBLI, METRANI BUILDING, VIDYA NAGAR,
HUBLI-21

Hubli-21, the 5th December 1973

No. 44/(73-74)/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 483A/7A situated at Baad-I, Karwar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Karwar on 11-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (2) (i) Shri Sripad Yeshwant Pauskar, Saraff, Sunkeri, Karwar.
- (ii) Shri Sadanand Venkatesh Netalkar, Saraff and Merchant, Baad-II, Karwar.
- (iii) Smt. Rekhabai, w/o. Tukaram Pauskar, Baad-I, Karwar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-Agricultural Land Measuring 31 Gunthas in Survey number 483A/7A situated at Baad-I, Karwar.

R. PARTHASARATHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hubli.

Date: 5-12-1973.

- (1) Shri Linga Yeku Padati Kochrekar, Ryot, Hireshiitta, Baad-II, Karwar.

(Transferor)

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th December 1973

No. P. VIII/4/6/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. lands situated at Iravipudur, Agastheswaram Taluk, Kanyakumari District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ediarudi on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rukmini 9mmal, W/o Krishnayyar, Kailasapuram Village, Tirunelveli.

(Transferor)

- (2) (1) Sri Sundaralingam S/o. Subramania Nadar, Kizhacharakkalvilai, Nagercoil P.O.
- (2) Sri Ganesan,
- (3) Sri Swayambu,
- (4) Sri Sellavel,
- (5) Sri Sellasivalingam Sons of Sri Neelan Nadar, Mukilanvilai, Thenkombudur P.O.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring about 4 acres 25 cents in Survey No. 1620 and 5 acre 60 cents in Survey No. 1621-A at Iravipudur Village, Agastheswaram Taluk, Kanyakumari District.

K. V. RAJAN,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-1, Madras-6.

Dated : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS -----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION
RANGE, 2ND FLOOR, 2ND HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th December 1973

No. 38/Acq.23-50/19-7/73-74.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13/2, 13/3 and 14, Mun. No. 13/2 & 3 Plot No. 17 situated at Athwa lines, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 4-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sudhaben Maneklal Reshamwala.
(Transferor)
- (2) The Principal Officer, Swashraya Benefit Pvt. Ltd.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 13/2, 13/3 and 14, Mun. No. 13/2 & 3 Plot No. 17 488.33 sq yds. land with 155 sq. yds. of construction upto plinth Athwa Lines, Surat.

P. N. MITTAL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 5-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, BIRCHAND PATEL MARG, PATNA-1,

Patna, the 7th December 1973

No. III-63/Acq/73-74/1192.—Whereas I, J. Nath Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing K. No. 367, P. No. 1298, 1299 etc. situated at Thatheri Bazar Buxar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Buxar on 6-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

(1) Shri 1. Ram Kishun Pd., 2. Deo Narain Pd. 3. Kedar Nath Pd. S/o Late Sri Pachkauri Ram, Naile Bazar, Buxar, P.O. Buxar, Dt. Bhojpur. (Transferor)

(2) Shri 1. Ram Agya Rai, S/o Shyam Narain Lal, 2. Achhuta Rai S/o. Ram Agya Rai, Present Address Vil. Balrampur (Belhi) P.O. Kamarpur, Via Buxar, Dt. Bhojpur, Permanent Address At. & P.O. Kamawan, Dt. Ghazipur (U.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pucca Building area 1 Katha 10 Dhurs, Khata No. 367, Plot No. 1298, 1299 etc. At. Thatheri Bazar, Buxar.

J. NATH.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Date : 7-12-1973.

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th December 1973

Ref. No. RAC No. 125/73-74.—Whereas, I. S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-953/6, 7, 8, situated Lingampally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 25-6-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dacha Kanthamma, W/o Dacha Pentiah, R/o 18, Haiderbasti, Secunderabad.
 - (2) Sri Meeraj Soofi, S/o Khasim Soofi, R/o 3-6-780/22 Hlmayatnagar, Hyderabad.
- (Transferor)

(2) Smt. Gulshan W/o Mansoor Taiyeb Ally, Rangwala, R/o H. No. 1-8-23, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

(3) Sri Mansoor Ali, and Sri Shakuntallamma, Municipal, Mulgies Nos. 3-6-953/6, 7, 8 Lingampally, Bridge Hyderabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Mulgies bearing Municipal Nos. 3-6-953/6, 7, 8 Lingampally Bridge, Narayanguda, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-12-1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th December 1973

Ref. No. RAC No. 122/73-74.—Whereas, I S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-522/27 situated at Chikkadpally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Hyderabad on 12-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. Mohan Rao, H. No. 1-8-522/27, Chikkadpally, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Mohd Abdul Gaffar, Urdugalli, Troop Bazar, Hyderabad.
(Transferor)

(3) Transferor only (Person in occupation of the property)

*(4) transferee only, (person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 1-8-522/27, Chikkadpally, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-12-1973.

Seal :

FORM ITNS ———

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th December 1973

Ref. No. RAC No. 123/73-74.—Whereas, I S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-3-758, situated at Bagh Amberpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-6-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri S. Lokanayaka Rao, S/o S. Neelakantham, H. No. 2-3-758 Bagh Amberpet, Hyderabad-13.
(Transferor)
- (2) Sri K. Subrahmanayam, R/o Kothapet, Vijayawada-1.
(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 2-3-758, Bagh Amberpet, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-12-1973.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Khaderunnisa Begum, H. No. 3-6-182/A,
Hyderguda, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Neela Bai, W/o K. Vittal Rao, H. No.
14-4-324, Begum Bazar, Hyderabad
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 8th December 1973

Ref. No. RAC No. 127/73-74.—Whereas I, S. Balasubramaniam,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 15-5-147 to 150 situated at Begum Bazar, Hyderabad,
more fully described in the Schedule annexed hereto), has been
transferred as per deed registered under the Indian Registra-
tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering
officer at Hyderabad on 21-6-73, for an apparent consi-
deration which is less than the fair market value of the afore-
said property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-
deration therefor by more than fifteen percent of such ap-
parent consideration and that the consideration for such trans-
fer as agreed to between the transferor(s) and the trans-
feree(s) has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections, if any, made in response to the notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed and notice
thereof shall be given to every person who has made
such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or
the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons namely:—

THE SCHEDULE

Property : Double storied building No. 15-5-147 to 15-5-
150, at Begum Bazar, Hyderabad (known as Karim building)

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Chandra Bai, W/o Ramgopalji Rathi, R/o Old Khabutarkhana, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Giriraj Chemical Co., (P), Ltd., 1-1-508 Bakaram, Mushirabad, Hyderabad.

(Transferee)

(3) transferee only. (Person in occupation of the property)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th December 1973

Ref. No. RAC No. 123/73-74.—Whereas I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-1-508 situated at Bakaram, Mushirabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Hyderabad on 28-6-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : 2360 Sq. Meters, open land with sheds and rooms No. 1-1-508 Bakaram, Mushirabad, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th December 1973

Ref. No. RAC No. 126/73-74.—Whereas I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19-2-226/2 situated at Bhadurpura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 20-6-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Syed Ali, S/o Late Hajl Syed Yekub, R/o H. No. 15-6-360, Begum Bazar, Hyderabad.
(Transferor)

- (2) M/s. Kediya Vanaspathi, (Pvt) Ltd., H. No. 19-2 226/2 Bhadurpura, Hyderabad.
(Transferor)

- (3) Transferee only. (Person in occupation of the property. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : land bearing Municipal No. 19-2-226/2 Bahadurpura Hyderabad, measuring 13101, Sq. Yds. or 1058 Sq. Metres.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-12-1973.
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Nur Ahmad Abdulkarim, Khamasa Chakla, Bhathiar Wad, Ahmedabad-I. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad the 10th December 1973

Ref. No. Acq. 23-I-71/1-1/73-74.—Whereas, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City survey No. 6194, situated at Jamalpur Ward-I, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Zayanab Bibi Kalubhai, Kasaiwada, Mirjapur Ahmedabad. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

City Survey No. 6194, Jamalpur Ward-I, Ahmedabad.
Land admeasuring 337 Sq. yds. (with building).

J. KATHURIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax,

Acquisition Range-I,

Ahmedabad

Date : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS ———

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th December 1973

Ref. No. J. No. I (545)/73-74.—Whereas, I K. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 22-B-6-B situated at Korlapativari Veedhi Powerpet, Eluru,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on 18-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Venkata Rama Laxmamma, W/o Chenchu Nagapura Gopal Ratnam, Pulla. (Transferor)
- (2) Maddula Navaratna Mangalayar, W/o Hanumantharao, S/o Chenchu Nagapura Gopala Ratnam, Pulla. (Transferee).
- *(3) 1. Dr. Edupuganti Kesavarao, Eluru 2. Sri Maddula Sitharamanjaneyulu, Eluru. (Person in occupation of the property).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

West Godavari District—Eluru Taluk—Eluru Town—Powerpet—Municipal ward 15/E—Town survey No. 628, 629—Dood No. 22-B-6-9 Terraced building with site—421 Sq. Yds.

BOUNDARIES TO THE BUILDING AND SITE

I. East: Banda Krishna Mohanarao Wall	60'-0"
plus send item site	12'-0"
South: Achanta Ramabrahman wall	48'-0"
West: Municipal Road	70'-0"
North: Korrapati Laxminarayana Wall	49'-4"
II. East: Kopperla Venkayamma's building site	12'-6"
South: Banda Krishna Mohanarao compound wall	25'-6"
West: Above item site	12'-6"
North: Korrapati Laxminarayana wall	25'-6"

(Total site 35'-4"

K. SUBBARAO

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada

Date: 6-12-1973

Seal:

FORM 11NS—

(1) Smt Joyce Pereira, 76, Residence Road, Bangalore 25. (Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vere Alban da Silva, D'Silva Wadi, Manori Village, Manori. (Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE-III, AYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG
BOMBAY-20

Bombay, the 6th December 1973

Ref. No. A.R./III/227/RV/RN-73-74.—Whereas, I Shri R. G. Nerurkar, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.No. 54 situated at Marve (Malad),

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar's Office on 16-6-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that plot of waste and vacant land admeasuring 2750 sq. yds, i.e. 2299.35 sq. metres or thereabouts and bearing S. No. 54 lying being and situate at Marve Malad in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 6-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 6th December 1973

Ref. No. IAC/Acq./25/73-74.—Whereas, I, S. S. Roy, being the Competent Authority under section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/63 and 2/65, Sheet No. 66-A and No. 1/1 Sheet No. 79-C, Ward No. 29, Balaji Plots, Amravati, situated at Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 22-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Bansilal Jainarayan Sarda. (Transferor).

(2) (i) Shri Sachidanand Kanhaiyalal Agrawal. (ii) Shri Kirankumar Shriram Agrawal. (iii) Shri Anilkumar Gopaldas Agrawal. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property with land appurtenant thereto bearing

Plot No. 2/63, Sheet No. 66-A.

Plot No. 2/65, Sheet No. 66-A.

Plot No. 1/1, Sheet No. 79-C.

Plot No. 1/1, Sheet No. 79-C.

in Ward No. 29 Balaji Plots at Amravati (Maharashtra State).

S. S. ROY,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Nagpur

Date : 6-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sham Sunder, s/o Shri Girdhari Lal, Fazilka. (Transferor).

(2) Shrimati Karam Devi, w/o Shri Hari Chand, (ii) Shrimati Kaushalya Devi, w/o Shri Gokul Chand, Residents of Fazilka Mandi, Salim Shah Road, Fazilka. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th December 1973

Ref. No. FZK/940/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop, salim Shah Road, situated at Fazilka Mandi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on June, 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated in Salim Shah Road, Fazilka Mandi. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 925 of June, 1973 of the Registering Officer, Fazilka).

G. P. SINGH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Chandigarh

Date : 11-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Pargas Singh, s/o S. Ganda Singh, House No. 1093, Sector 15-B, Chandigarh. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156 SECTOR 9-B

Chandigarh, the 3rd December 1973

Ref. No. CHD/1015/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 3429 Plot No. 11, Street 'H', situated at Chandigarh, Sector 27-D, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Jagjit Singh s/o S. Sardha Singh, Registrar Punjab University, Chandigarh. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3429, Plot No. 11, Street 'H', Sector 27-D, Chandigarh.

G. P. SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Chandigarh

Date : 3-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 12th December 1973

Ref. No. LDH/1203/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land, situated at Village Gill No. 1, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pritam Singh, s/o Shri Surma Singh, Resident of Village Gill, Tehsil Ludhiana, (Transferor).
- (2) Smt. Kanta Passi, w/o Shri Ravi Dutt Passi, c/o Apsara Woolens Show Room, Chaura Bazar, Ludhiana, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated in Village Gill No. 1, Tehsil Ludhiana, (Property as mentioned in the Registered Deed No. 2307 of June, 1973 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date : 12-12-1973

Seal :

FORM JINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th December 1973

Ref. No. HSR/1279/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, Opp. Lajpat Rai Park situated at Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hissar in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish Bhargava, s/o Pt. Thakar Dass Bhargava for himself and as general attorney of his wife Shrimati Kamla Bhargava, resident of Hissar. (Transferor).

- (2) (i) Shri Babu Ram, s/o Shri Telu Ram, (ii) Shri Satya Narain, (iii) Shri Lachhman Dass, Sons of Shri Babu Ram Mahajan, Residents of Hissar. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated Opposite Lajpat Rai Park, Hissar, (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1005 of June, 1973 of the Registering Officer, Hissar.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 11-12-1973

Seal :

FORM ITNS

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Vijay Khosla, s/o Dewan Bal Krishan, 613-Model Town, Ludhiana. (Transferor).

(2) Shri Hari Mittar, s/o Chand Lal, Gurdial Singh Building, Katra Naurian, Ludhiana. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 12th December 1973

Ref. No. LDH/1387/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land at Tagore Nagar, situated at Ludhiana (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ludhiana in June, 1973,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Tagore Nagar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2698 of June, 1973 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 12-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th December 1973

Ref. No. J. No. 1(1283)/73-74.—Whereas, I, K. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at Guntur, Kovvur, Mangalagiri, Chilakalurpet, Medrametla, Edugundalapadu & Tangutur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Guntur in July 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s British India Tobacco Corporation Ltd.,
Guntur. (Transferor)
- (2) M/s Bit Corpn. Private Ltd., Mangalagiri Road,
Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. Guntur District—Guntur town—Municipal survey Nos. 436 and 437—Site and buildings with plant and Machinery etc.—Ac. 10.58—Door No. 9—Municipal asst. Nos. 11783, 11231 and 11769.
2. West Godavari District—Kovvuru Village—Survey No. 153—Site and buildings with plant and Machinery etc.—Ac. 1.98—Door No. 91—Municipal asst. No. 845.
3. Guntur District—Mangalagiri village—Survey No. 737—Site and buildings with plant and machinery etc.—Ac. 4.80—Door No. 319—Municipal asst. No. 428. Inclusive of sheds at Guntur, Chilakalurpet, Medarametla, Edugundalapadu and Tangutur.
4. Guntur District—Guntur town—Survey No. 26—Site and buildings with plant and machinery etc.—Act. 2.78—Municipal asst. No. 2453.

K. SUBBARAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-12-1973

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Pyare Lal S/o Sh. Sheo Narayan Bharge and
Gopi Chand S/o Shri Pyare Lal.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th December 1973

Ref. No. A-7/73(11)89.--Whereas, I. S. C. Prashar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Vill. Dilalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Alwar on 8-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ((11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ismail S/o Sh. Shahbaj Mev R/o Dilalpur.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 Bigha 3 Biswa situated in Village Dilalpur with engine & pucca well & 4 rooms.

S. C. PRASHAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th December 1973

Ref. No. A-473(12)134/130.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Bungalow, situated at Ajmer, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ajmer on 30-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sayed Mohd. Gani Chisty, (ii) Sayed Mohd. Iqbal Chisty R/o Khadim Mohalla, Ajmer. (Transferor)

(2) Shri Shyam Lal (ii) Sh. Gul S/o Sh. Mool Chand (iii) Sh. Iswar S/o Sh. Giagumal (iv) Sh. Gagumal S/o Sh. Asumal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Bungalow with Boundary wall situated at Shrinagar Road, Ajmer Plot area 2550 Sq. yds.

V. P. MITTAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 7th December 1973

Ref. No. LC.9/73-74.—Whereas, I K. Rajagopalan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 507 in Ward No. 2 situated at Killannoor Panchayat in Trichur Dist., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Trichur on 26-6-1973, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narayanan S/o Kalathil Krishnan Kutty, Kudazhiyoor, Engandiyoor, Chowghat-Taluk, Trichur (Dist.). (Transferor

- (2) Shri K. P. Mani Nair, Pushpamandiram, Qllukara, Trichur (ii) K. P. Gopalakrishnan Nair, Puthen-puliakot House, P.O. Kunniassery, Palghat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building with an extent of 43.30 Ares in Survey No. 507 in Ward No. 2 in Killannoor Panchayat in Trichur District.

K. PAJAGOPALAN

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-12-1973

Seal :

FORM IINS

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place,
New Delhi. (Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) Shri Bahadur Chand s/o Shri V. R. Jhamb & Smt.
Shakil Kumari w/o Shri Bahadur Chand, K-37,
N.D.S.E. Part-I, New Delhi-110049. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION

RANGE-II,

New Delhi, the 12th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6242.—Whereas I, C. V.
Gupte,being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-62, situated at Greater Kailash-II, New Delhi,

(and more fully described
in the schedule annexed hereto), has been transferred as per
deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi
on 6-6-1973, for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s)
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been
recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-
perty by the issue of this notice under sub-section (1) of
Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections, if any, made in response to this notice against
the acquisition of the immovable property will be fixed,
and notice thereof shall be given to every person who has
made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Income-
tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece & parcel of land bearing Plot No. M-62 (vacant)
measuring 247 sq. yards in the residential colony known as
Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the
Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 12-12-1973

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Radhey Shyam r/o Chawri Bazar, Jhunjhunu.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 12th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6242.—Whereas I, C. V. Gupte, Being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 25,000/- and bearing No. W-104, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 18-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place,
New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Picce and parcel of land bearing plot No. 104 in Block No. W, and measuring 550 sq. yards situated in the residential colony known as Greater Kailash-II at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. W-102.

South : Plot No. W-106.

East : Service Lane.

West : Road.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 12-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 12th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-216 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 5-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Brij Mohanlal Aggarwal s/o Shri Prabhu Dayal, Chief Accountant, State Bank of Bikaner, Jaipur, Head Office, Highway, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. E-216 measuring 250 sq. yards and situated in a residential colony known as Greater Kailash-II at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 12-12-1973

Seal :

FORM ITNS ———

(1) M/s New Chemelac India Private Ltd., Director,
Shri Bishnupada Mukherjee, 55, Dr. Sarat Banerjee Road, Calcutta-29.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-IV

Calcutta-1, the 6th December 1973

Ref No. Ac-25/R-IV/Cal/73-74.—Whereas I, M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. plot nos. 1633, 1634 and 1635, situated at Mouza Brahansfortabad, J.L. No. 47, R.S. No. 7, Touzi no. 109, Khatian no. 666, P.S. Sonarpur, Dist 24-Parganas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Sub-Registrar, Sonarpur on 4-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas 12 cottahs 2 chittacks with structures in C.S. plot nos. 1633, 1634 and 1635. Mouza—Brahansfortabad, J.L. no. 47, R.S. no. 7, Touzi no. 109, Khatian no. 666, P. S. Sonarpur, Dist. 24-Parganas.

M. N. TIWARY

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

(1) Shri Sanjit Kumar Roy, 6A, Janak Road, Calcutta-26.
(Transferor)

Date : 6-12-1973

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. Santi Debi Sharoff. (Transferor)

(2) Smt. Ram Murty Debi Agarwal. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE 1

Calcutta-1, the 11th December 1973

Ref. No. TR 505/C-92/CAL-1/73-74.—Whereas I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 138, situated at Cotton St. Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer, The Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 6-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Undivided 2/3rd share of five storied brick built dwelling house on an area of 3 Cottahs and 12 Chittacks at premises No. 138 Cotton St. Calcutta,

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 1, P-13, Chowringhe Square,
Calcutta-1

Date : 11-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

Sri Nanda Lal Sharoff

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Sm. Ram Murty Devi Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 11th December 1973

No. TR506/C-93/CAL-1/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 138 situated at Cotton Street, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

The Registrar of Assurances 5, Govt. Place North, Calcutta on 6-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the undivided 1/3rd share of five storied brick built dwelling house on an area of 3 Cottahs and 12 Chittacks at Premises No. 138 Cotton St. Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I.
P-13, Chowringhec Square, Calcutta-1.

Date : 11-12-1973.
Seal :

FORM ITNS—

Sri Shih Nath Basak.

Sri Jiban Krishna Basak

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 7th December 1973

No. TR-771/C-133/CAL-I/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28B, situated at Abhedananda Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer The Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 2-6-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Sri Subol Chandra Dhar.

(Transferor)

Person in occupation of the property.

1. Sri Hazari Lal Shaw
2. Sri Ramdeo Gupte
3. Sri Dudhnath Prosad
4. Sri Sangu Ram Rajendra Prosad
5. Sri Chuni Lal Shaw
6. Sri Surgu Narayan Gupta
7. Sri Amit Kumar Bose
8. Sri E. K. J. Sharma
9. Sri Gouranga Nath Banerjee
10. Sri Gopi Nath Basak

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four storied brick-built dwelling house together with land measuring an area of 2 Cottahs 6 Chittacks and 39 Sq. ft. more or less being Premises No. 28B Abhedananda Road (Previously known as 32/8 Beadon St. and 32/14B Beadon St.) Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 7-12-73

Seal :

FORM ITNS—

Smt. Santi Bose, W/o Sri Rasha Ranjan Bose.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th December 1973

No. TR-440/C-54/CAI.-2/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 176 situated at Rash Behari Avenue, Calcutta-29, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer The Sub-Registrar of Sealdah, 24 Parganas on 8-6-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Sm. Kana Banerjee, Wido of Late Ranjit Kumar Banerjee.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 Cottahs 1 Chittack and 20 sq ft. being back portion of premises No. 176 Rash Behari Avenue P.S. Ballygunge Calcutta-29.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 10-12-1973.

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 13th December 1973

No. IAC/Acq.II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-126 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Delhi on 15-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Gulshan Rai Jauhar son of Shri Jaswant Rai Jauhar r/o Loong Soong, T.E. Chapanaalla, P.O., (Upper Assam).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and Parcel of land bearing plot No. 126 in Block No. 'M', and measuring 400 sq yards situated in a residential colony known as Greater Kailash-II at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-12-1973.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II,

New Delhi, the 13th December 1973

No. IAC/Acq,II/73-74.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 150, 142, 143 situated at Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Delhi on 25-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar Chhabra s/o Shri Des Raj Chhabra r/o 1, Ring Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s Jajodia Enterprises Private Ltd., 10 Hailey Road, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 bighas and 18 biswas in village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 13-12-1973.
Seal :

FORM ITNS—

(2) Sri M. Venkatarathnam, M.G. Road, Kadiri Ananthapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1973

No RAC No. 129/73-74.—Whereas, I S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/28 New No. 5/53 situated at Kadiri, Ananthapur, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ananthapur on 20-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri K. Gopalakrishniah, Gupta, Kadiri Ananthapur.
(Transferor)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House old No. 3rd Ward, Door No. 28 New No. 5th Ward door No. 53. House with upstairs at Kadiri village, Gandhi Bazar, Ananthapur.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-12-1973.

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

(2) M/s Chebrolu Hanumaiah & Bros (P) Ltd., Ring Road, Guntur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

Kakinada, the 12th October 1973

No. J. No. I(1281)/73-74.—Whereas, I K. Subbarao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Dr. No. 1-6-1/2 situated at Ring Road Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on 19-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Moparathi Bhaskararao, S/o Laxmaiah, Pattabhipuram Guntur,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Guntur District—Korutipadu village—Guntur Municipal area—Door No. 295/B—Site and buildings—85-3/4 cents site—Municipal asst. No. 812.

BOUNDARIES TO THE SITE AND BUILDINGS

East : Municipal Ring Road
South : Transferee's company site
West : Transferee's company site
North : Transferee's company site.

K. SUBBARAO,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-12-1973

Seal :

*Strike of where not applicable.

FORM ITNS

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th December 1973

Ref. No. J.No. I(541)/73-74.—Whereas, I K. Subarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No 8/25 situated at Mutyalavari Street Siddantham, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Penugonda on 3-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

(1) Shri Jayavarapu Suryanarayanamurthy, Siddantham.
(Transferor)

(2) Shri Gadiraju Surya Ramkrishna Raju, P/R M/s Penumetcha Ramakrishna Raju & Co., Manures Merchants, Siddantham.
(Transferee)

(3) Shri Jayavarapu Suryanarayanamurthy, Siddantham.
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

West Godavari District—Tanuku Taluk—Penugonda sub-Registrar—Penumantra Panchayat—Siddantham village—Door No. 8/25—Upstairs building and tiled house—Total site 765 sq. Yds.

BOUNDRIES FOR THE BUILDING AND SITE

1st Item :

East : Panchayat Road
South : Kuchu Manikyam, Vanguri Suryaprakasarao compound wall.
West : Pabbisetty Konaraidu site
North : Athyam Manikyam site
Total site : 385 Sq. Yds.

2nd Item :

East : Vanguri Suryaprakasarao compound wall
South : Panchayat Road
North : Pabbisetty Konaraidu etc site
West : Vanguri satyavathi site
Total site : 380 Sq Yds

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 10-12-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

The 10th December 1973

No. VIII/4/1/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. lands situated at S. No. 1621-A and 1630-A situated at Iravipudur Agastheeswaram Taluk, Idalakudi Sub-district, Kanyakumari Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ediarakudi on 13-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Janaki Ammal, D/o Kamalammal, Asramam, Susindram P.O. Kanyakumari District.

(Transferor)

(2) Sri Sundaralingam, S/o Subramania Nadar, Kizhacharakkal vilai, Nagercoil P.O.
Sri Swayambu, Sri Ganesan, Sri Sellavel
Sri Sellasivalingam, Sons of Sri Neelan Nadar, Mukilavilai, Thenkumbudur P.O.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring about 5 acre in Survey No. 1621-A and 6 acre and 70 cents in S. No. 1630-A situated at Iravipudur, Agastheeswaram Taluk, Idalakudi Sub-district, Kanyakumari District.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-12-73

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th December 1973

No. F. VIII/4/4/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing lands at Iravipudur, Agastheeswaram Taluk, Kanyakumari district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ediarkudi on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Ananthakrishna Iyer, S/o. Venkatrama Josyar, Lakshminipuram, Trivandrum P.O.

(Transferor)

- (2) (1) Sundaralingam, S/o. Subramania Nadar, Kizhacha:akkalvilai, Nagercoil P.O.
- (2) Sri Ganesan,
- (3) Sri Swayambu,
- (4) Sri Sellasivalingam,
- (5) Sellavel Son of Neelan Nadar, Mukilanvilai, Thenkombudur P.O.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring about 5 acres 80 cents in S.No. 1631 situated at Iravipudur, Agastheeswaram Taluk, Kanyakumari District.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Dated : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th December 1973

No. F. VIII/4/5/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. lands situated at S. Nos. 1633 and 1635 situated at Travipudur, Agastheeswaram Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Idialakkudi on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri Ananthakrishna Iyer, S/o. Venkatrama Josyar, Lakshmipuram, Trivandrum P.O.

(Transferor)

- (2) (1) Sri Sundaralingam S/o Subramania Nadar, Kizhacharakkal vilai, Nager coil P.O.
- (2) Sri Gansan,
- (3) Sri Sellasivalingam.
- (4) Sri Swayambhu,
- (5) Sri Sellavel, Sons of Neelan Nadar, Mukilanvilai, Thenkombudur P.O.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring about 8 acre 55 cents in Survey No. 1635 and 1 acre in S.No. 1633/1 situated at Travipudur, Agastheeswaram Taluk, Idialakkudi sub-district, Kanyakumari District.

K. V. RAJAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax

Acquisition Range-1, Madras-6

Dated : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION
RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th December 1973

No. F. VIII/4/2/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land situated at S. Nos. 1606, 1636-A, 1605-A at Iravipudur village and S. No. 1863 at Kulasekarapuram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ediakudi on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be, disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Ananthakrishna Iyer,
S/o. Venkatrama Josyar,
Lakshmipuram, Trivandrum P.O.

(Transferor)

- (2) Sri Sundaralingam, S/o Subramania Nadar,
Kizhacharakkalvilai, Nagercoil P.O.,
Sri Selvavel, Sellasivalingam, Gancsan, Swayambu
S/o Neelan Nadar, Mukilanvilai, Thenkombudur
P.O.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring about 4.20 acres in S. No. 1606, 2.50 acres in S. No. 1636-A, 1.55 acres in S. No. 1605-A at Iravipudur Village, Agastheeswaram Taluk and 3.95 acres in S. No. 1863 Kulasekarapuram village, Kottaram sub-district.

K. V. RAJAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-1, Madras-6

Seal :

Date : 10-12-73

FORM IUNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION

RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th December 1973

No. F. VIII/4/3/73-74.—Whereas, I. K. V. RAJAN, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. Lands situated at S. No. 1631-A and 1630-A at Iravipudur, Agastheeswaram Taluk, Kanyakumari District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ediarakudi on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Sri Ananthakrishna Iyer, S/o Venkattama Josyar, Lakshmipuram, Trivandrum P.O. (Transferor)
- (2) (1) Sundaralingam, S/o Subramania Nadar, Kizhacharakkalvilai, Nagercoil P.O.
(2) Sri Ganesan.
(3) Sri Swayabu.
(4) Sri Sellasivalingam.
(5) Sellavel Son of Neelan Nadar, Mukilanvilai, Thenkombudur P.O. (Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring about 3.40 acres in S. No. 1631-A and 1.35 acre, in S.No. 1630-A situated at Iravipudur, Agastheeswaram Taluk, Kanyakumari District.

K. V. RAJAN.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

(2) The Annamallais Retrading Co., No. 225, Dr. Naujappa Road, Coimbatore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 6th December 1973

No. C.R.62/1454/73-74/Acq.(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial site and Factory measuring 1.33 acres situated on Mysore Road in Pantherpalaya Village situated at about 7 miles away from Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South, Bangalore on 20-6-1973 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferors to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Nagarajan, (2) Rajalaxmi (3) Rameshwari, (4) Vanaja, No. 1 West Colony, Komarapalayam, Salem District, Tamil Nadu.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial site and Factory measuring 1.33 Acres situated on Mysore Road in Pantharapalaya Village about 7 miles away from Bangalore.

B. MADHAVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Ananthaswami Iyer, S/o. Sri Ananthakrishnayyar, Ashramam, Susindram P.O., Kanyakumari District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th December 1973

No. F. VIII/4/7/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. lands situated at Iravipudur, Agastheeswaram Taluk, Kanyakumari District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ediarugudi on 13-6-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) (1) Sri Sundaralingam S/o. Subramania Nadar, Kizhacharakkalvilai, Nagercoil P. O.

(2) Sri Ganesan,

(3) Sri Swayambu,

(4) Sri Sellavel,

(5) Sri Sellasivalingam Sons of Sri Neelan Nadar, Mukilavilai, Thenkombudur P.O.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring about 4 acres 25 cents in Survey No. 1631/1 and 7 acre 5 cents in S.No. 1632-A situated at Iravipudur, Agastheeswaram Taluk, Kanyakumari District.

K. V. RAJAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Dated : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE 1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th December 1973

No. F. VIII/4/10/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land situated at S.No. 1624, 1627, 1628 at Iravipudur, Agastheeswaram Taluk, Idalakkudi Sub-Dist. Kanyakumari Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ediarakudi on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Sri Padmanabha Iyer, S/o. Ananthakrishna Iyer, Lakshmiipuram, Trivandrum P.O.

(Transferor)

(2) (1) Sri Sundaralingam S/o Subramania Nadar, Kizhacharakkalvilai, Nagercoil P.O.

(Transferee)

(2) Sri Ganesan,

(3) Sri Swayambu,

(4) Sri Sellavel,

(5) Sri Sellasivalingam Sons of Sri Neelan Nadar, Mukilanvilai, Therkombudur P.O.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring about 95 cents in S.No. 1624-A, 6 acres 75 cents in S.No. 1627 and 2 acres and 60 cents in S.No. 1628 situated at Iravipudur, Agastheeswaram Taluk, Idalakkudi sub-district, Kanyakumari District.

K. V. RAJAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax

Acquisition Range-1, Madras-6.

Dated : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th December 1973

No. F. VIII/4/9/73-74.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing lands situated at S.No. 1628 and 1634 at Iravipudur, Agastheeswaram Taluk, Idalakkudi Sub-district, Kanyakumari District, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ediakudi on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Padmanabha Iyer, S/o Ananthakrishna Iyer, Lakshmiapuram, Trivandrum P.O.

(Transferor)

- (2) (1) Sri Sundaralingam S/o. Subramania Nadar, Kizhacharakkalvilai, Nagercoil P. O. Kanyakumari.

- (2) Sri Ganesan.

- (3) Sri Swayambu,

- (4) Sri Sellavel.

- (5) Sri Sellasivalingam Sons of Sri Neelan Nadar, Mukilanvilai, Thenkombudur P.O.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring about 5 acres in S.No. 1628 and 7 acre and 30 cents in S. No. 1634 situated at Iravipudur, Agastheeswaram Taluk, Idalakkudi Sub-district, Kanyakumari District.

K. V. RAJAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Dated : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. V. D. Swami & Co. Private Ltd., "Sree Mansion", 123, Mount Road, Madras-6.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1973

No. F.513/73-74.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at R.S. No. 58/6 (Part) Cathedral Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Thiagaroyanagar on 8—6—1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) P. Ramamurthy, S/o late Capt. P. Krishnaswamy, Seattle, Washington, U.S.A.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 8 Grounds & 663 Sq. ft. in Cathedral Road, Madras and bearing R.S. No. 58/6 (Part).

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax
Acquisition Range-2, Madras-6.

Dated : 12-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 6th December 1973

No. C.R.62/1364/73-74/Acq.(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property Nos. 18, 19 and 19/1, situated at III Main Road, Malleswaram, Bangalore-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri A. R. Krishnan, No. 140B, 3rd Main Road, Malleswaram, Bangalore-3. (Transferor)

21—366GI/73

- (2) Shri La Shri Sadguru Tiruchi Swamigal alias Palani Swamigal, 'Kailas Ashram', Kenchenahalli (Deviation Road at 8th mile on Mysore road has to be taken to reach the said Ashram), Bangalore District. (Transferee)

- (3) S/Shri (1) Bank of India, (2) Bengalee Association, (3) M. S. Nagaraj, (4) Sundar, (5) Chandrasekhar, (6) Paramesh Gowda, (7) Jadhakar and Sharma, (8) Meera & Co., (9) Parashakili Agency. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Nos. 18, 19 and 19/1, III Main Road, Malleswaram, Bangalore-3.

B. MADHAVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-12-1973.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Beejay Company Pvt. Ltd., 9/1 Maharani Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th December 1973

No. Sub-Reg/Indore/30-6-73.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 166, 170 and 171 area 16975 sq. ft. situated at Saket Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Indore on 26-6-73,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(2) 1. Kumari Vijayalakshmi Jhaver D/o Late Shri V. K. Jhaver, 2. Master Ajit Kumar Jhaver Minor S/o Late Shri V. K. Jhaver through his legal guardian Kumari Vijayalakshmi Jhaver r/o 171 Saket Nagar, Indore, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 166, 170 and 171 Saket Nagar, Indore—Area 16975 sq. ft.

M. F. MUNSHI,

Competent Authority,

Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Mistry & Patel.

(Transferor)

(2) M/s. Anand Sindhu Co-op. Housing Society, Anand Mahal, B-2, Cama Cross Lane, Bombay-86.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 4th December 1973

No. AP.112/IAC. AR.IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 74, Hissa No. 7 situated at Village Kiroi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 26-6-1973, Bombay on 26-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground bearing Survey No. 74, Hissa No. 7, Entry No. 357 which is shown as plot No. D of Diana Park Estate containing by admeasurement 1180-50 square metres together with building standing thereon known as Anand Mahal and bearing Municipal Ward No. N/7079(3) and 827-B, Kiroi Road, at Cama Cross Lane at Kiroi Ghatkopar, within registration sub-district of Bandra and in the registration district of Bombay suburban and bounded on or towards the east by a passage on or towards the west by Cama Lane on or towards the North by Cama Road and on or towards the south by Central Railway.

G. S. RAO,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 4-12-1973.

Seal:

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HUBLI, METRANI BUILDING,
VIDYA NAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 6th December 1973

No. 45/73-74/II.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 124/2B+2C/1 situated at Murnal Village, Bagalkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bagalkot on 7-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rayappa Kanakappa Teggi, r/o Murnal, Bagalkot Taluk.
(Transferor)
- (2) (i) Shri V. V. Handi, Bagalkot.
(ii) Shri L. J. Ambore, Tailor, Bagalkot.
(iii) Shri V. B. Zingade, Tailor, Bagalkot.
(iv) Shri Sidramappa B. Hallur, Murnal.
(v) Shri Namdev Vithalappa Badiger, Bagalkot.
(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-agricultural Land with R.S. No. 124/2B+2C/1 on Bagalkot-Belgaum Road measuring 4 Acres 27 Gunthas divided into 48 plots each measuring 60'×60' situated at Murnal Village Bagalkot Taluk, Bijapur District.

Boundaries are :—

On the East : Lands belonging to Ningappa Siddappa Teggi.
On the West : Non-agricultural plots purchased by the same Transferees.
On the North : 24 Plots purchased by the same Transferees.
On the South : Engineering College Road.

R. PARTHASARATHY,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hubli.

Date : 6-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Paras Builders, 278, Sayya House, Room No. 3089, Narshi Natha Street, Bombay-9.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION

RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 4th December 1973

No. AP.111/I.A.C.. Acqn. Range IV/73-74.—Whereas, I G. S. Rao,

the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range IV, Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 164, Hissa No. 2-A(Pt) (2/2 Part) City Survey No. 104, situated at Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 29-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s Ganesh Builders, Sukh Nivas, Bhandarkar Marg, Matunga, Bombay-19.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground bearing Survey No. 164, Hissa No. 2-A(Part), (2/2 part) City Survey No. 104 admeasuring 3804 sq. metres equivalent to 4550 sq. yds. or thereabouts situate and being off Agra Road, now known as Lal Bahadur Shastri Marg at Ghatkopar, Bombay Suburban District, Taluka Kurla and in the Registration sub-district of Bombay City and District Bombay Suburban and bounded as follows :—That is to say on or towards the north by Survey No. 164, Hissa No. 2 (Part) and the property of Mukhraj Thushira, on or towards the south by the property of Ratilal Sanghani, on or towards the East partly by a public road and partly by the property of Ratilal Sanghani, and on or towards the west by the property of Desai Rana.

G. S. RAO,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 4-12-1973.

Seal :

*Strike off where not applicable.

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
INDIAN NAVY EXAMINATION, JULY, 1974
New Delhi, the 15th December 1973**

No. F.10/4/73-E.I(B).—An examination for entry to the Indian Navy as Special Entry Cadets to undergo training at Naval Academy, Cochin for the Course commencing in January, 1975, will be held by Union Public Service Commission at ALLAHABAD, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS PATIALA, SHILLONG and TRIVANDRUM commencing on 2nd July 1974 in accordance with Notification No. 41 dated 21st November, 1973 published by the Ministry of Defence in the Gazette of India dated 15th December 1973.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 40.
This number is liable to alteration.

3. A candidate must be an unmarried male and must have been born not earlier than 2nd January 1953 and not later than 1st January 1956. These age limits can in no case be relaxed.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00 which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded.

Application forms and connected papers can also be obtained without any payment from any of the authorities noted below :—

- (i) The Flag Officer Commanding-in-Chief, Western Naval Command, Bombay.
- (ii) The Flag Officer Commanding-in-Chief, Eastern Naval Command, Vishakhapatnam.
- (iii) The Flag Officer Commanding, Southern Naval Area, Cochin.
- (iv) The Naval Officer-in-Charge, Calcutta.
- (v) The Naval Officer-in-Charge, Madras.
- (vi) The Naval Officer-in-Charge Kathiawar.
- (vii) The Naval Officer-in-Charge, Andaman & Nicobar.
- (viii) The Naval Officer-in-Charge, Goa.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN NAVY EXAMINATION, JULY 1974. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN NAVY EXAMINATION, JULY 1974 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 11th February 1974 (25th February, 1974 in the case of candidates residing abroad and in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep from a date prior to 11th February, 1974), accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

6. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

NOTE. Candidates experiencing difficulty or delay in obtaining application forms and connected papers from any of the Defence Authorities mentioned in the second sub-para of para 4 above must take timely steps to obtain the same from the Secretary, Union Public Service Commission in the manner prescribed in the first sub-para of para 4 *ibid*.

7. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

9. If any candidate taking the Indian Navy Examination, to be held in December, 1973 for entry to the Indian Navy, wishes to apply for admission to the examination notified here, he must submit his application so as to reach the commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of admission to the Indian Navy. If he is recommended for admission to the National Defence Academy or the Naval Academy Cochin on the results of December, 1973 Examination his candidature for this examination will be cancelled on request, and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination, *vide* para 3 of Annexure I.

M. S. PRUTHI
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note I below paragraph 8 of the Notification is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission and certain other authorities in the manner indicated in para 4 of the Notice. Before filling in the application form the candidate should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2(i) The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dhoolpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep, from a date prior to 11th February, 1974.

A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as a work-charged employee, other than a casual or daily-rated employee, must submit his application through the Head of his Department or office concerned who will complete the endorsement (*vide* Section 'C' of the application form) and forward it to the Commission.

A candidate employed in Army, Navy or Air Force must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (*vide* Section 'C' of the application form) and forward it to the Commission.

Applications from all other candidates whether in private employed or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Copy of Certificate of Age.
- (iii) Copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Certificate to be signed by the parent/guardian of a minor candidate.
- (vi) Copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 3 below).
- (vii) Copy of certificate in support of claim for fee remission, where applicable (See para 6 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER 1974. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION ON DEMAND AT THAT TIME.

Details of the documents mentioned in items (i) to (vii) are given below :—

(i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee [the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes] in the Office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "XXI-Miscellaneous Departments Examination fee—Receipts of the Union Public Service Commission." The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, a copy of a certificate from the Head-

master/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions, is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit a copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit a copy of a certificate, showing that he has one of the qualifications prescribed in paragraph 8 of the Notification. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If a copy of such certificate is not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, a copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with the subjects specified in paragraph 8 of the Notification must be submitted in addition to the copy of the University Certificate.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination including the practical training/project work, if any, in the form prescribed below as soon as possible and in any case not later than 30th November, 1974.

Certificate showing proof of passing qualifying Examination

I, Certified that Shri _____ son of _____ who has been a student in this college has passed the _____ examination and completed the practical training/project work in order to become eligible for the award of _____ degree.

Certified also that the above examination including practical training/project work* were completed on _____ and he is now eligible for the award of _____ degree.

2. Certified that Shri _____ son of _____ is expected to appear/has appeared at _____ examination conducted by _____ in the month of _____ 19 _____ and that the above examination including practical training/project work* which would make him eligible for the award of _____ degree is likely to be completed on _____ 19 _____.

Signature _____
Designation _____
Name of Institution _____
Date _____

Where situated _____

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two identical copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

(v) *Certificate to be signed by the parent/guardian of a minor candidate.*—A candidate who is minor should submit this certificate on the form enclosed with the application form, duly completed by his parent/guardian, along with the application. If such a candidate is unable to submit this certificate with his application, he must give a reasonable explanation, for its absence with his application. In that case, he should detach the certificate from the application form and produce it at the time of his appearance before the Services Selection Board, in case he qualifies on the result of the written part of the examination.

Minor candidates MUST note that they will not be admitted to the Services Selection Board interview without this certificate.

CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY SHOULD IN NO CASE DELAY SUBMISSION OF THE APPLICATION FOR WANT OF THIS CERTIFICATE.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv), and 3(v) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in Note under paragraph 3(iii) and in para 3(v) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. Candidates may be required at the interview by the Services Selection Board to produce the original of any documents copies of which have been submitted.

5. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes of the Scheduled Tribes should submit in support of his claim a copy of a certificate in the form given below, from the District Officer of the Sub-Divisional Officer of any officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate: if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri _____ son of Shri _____ of Village/Town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* of _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under the Scheduled Castes and Scheduled Tribes List (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966*.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Orders, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri _____ and/or* his family ordinarily reside(s) in village/town* _____ of _____ District/Division* _____ of the State/Union Territory* of _____.

Signature _____

**Designation _____

(With seal of Office)

Place _____

Date _____

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Castes/Tribes Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Laccadive and Minicoy Island).

6. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan seeking remission of the prescribed fee under paragraph 2 of Annexure I should produce a copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of the Relief Camps in various States.

(2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident.

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts.

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

He should also produce a copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) seeking remission of the prescribed fee under paragraph 2 of Annexure I should produce a copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka (formerly known as Ceylon) to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce a copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Gov-

ernment or a Member of the Parliament or State Legislature, to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma, seeking remission of the prescribed fee under paragraph 2 of Annexure I should produce a copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India Rangoon, to show that he is an Indian citizen, who has migrated to India, on or after 1st June, 1963 or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma, and has migrated to India, on or after 1st June, 1963. He should also produce a copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required *vide* paragraph 4 of the Notification should apply to the Government of India, Ministry of Defence, for issue of the required certificate of eligibility in his favour after he has been finally selected for training.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-(110011) AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

(1) NAME OF EXAMINATION.

(2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

(3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

(4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

12. *Change in Address.*—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 11 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD, WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESS SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION, SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION,

NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO NAVAL HEADQUARTERS, NEW DELHI-110011. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

13. Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests, if any, relating to their interview, direct to the Naval Headquarters, New Delhi-110011.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

ADVERTISEMENT NO. 50

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1974 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dhoolpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23×10 cms. indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and bona-fide displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1st January 1964 but before 25th March 1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) 14th January, 1974 (28th January, 1974 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Island and Lakshadweep). Treasury receipts not acceptable.

5 posts at S. No. 6 permanent. Posts at S. Nos. 1 and 11 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. Nos. 2 and 5 temporary but likely to be made permanent. 5 posts at S. No. 6 and posts at S. Nos. 3, 4, 7, 8, 9, 10 and 12 temporary but likely to continue indefinitely.

Post at S. No. 11 reserved for Scheduled Castes candidates but to be treated as unreserved if no suitable Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidate is available. One post at S. No. 6 reserved for Scheduled Castes candidates failing which reserved for Scheduled Tribes candidates and failing both to be treated as unreserved.

1. One Joint Director, Botanical Survey of India, Department of Science & Technology. Pay: Rs. 1300-60-1600. Age Limit: 45 years. Qualifications: Essential: (i) Doctorate in Bombay. (ii) About 10 years research experience of high order in any one or more of the following branches:— Ecology, Systematic Botany, Plant Morphology, Cytology, Economic Botany, Plant Physiology. (iii) Administrative

experience and experience of running a large Botanical Laboratory.

2. One Senior Scientific Officer, Grade II (Biochemist), Armed Forces Medical College, Poona, Ministry of Defence. Pay: Rs. 400-40-800-50-950. Age: Preferably below 30 years. Qualifications: Essential: (i) Second Class Master's degree in Bio-chemistry of a recognised University or equivalent. (ii) Two years' teaching/research experience preferably in a Medical College.

3. One Junior Scientific Officer, Defence Food Research Laboratory, Mysore, Research & Development Organisation, Ministry of Defence. Pay: Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900. Age: Preferably below 30 years. Qualifications: Essential: Second Class M.Sc. Degree in Biochemistry/Nutrition/Food Science of a recognised University or Institute, or equivalent.

4. One Junior Analyst, Food Research & Standardisation Laboratory, Ghaziabad, Directorate General of Health Services. Pay: Rs. 235-25-500-30-680. Age Limit: 35 years. Qualifications: Essential: (i) Master's Degree in Chemistry or Technical Chemistry or Bio-Chemistry or Food Chemistry or Agriculture Chemistry, or equivalent. (ii) At least two years' experience in the analysis of food in a reputed food Laboratory.

5. One Associate Professor in Production Engineering Punjab Engineering College, Chandigarh, Chandigarh Administration. Pay: Rs. 800-50-1300/50-1600. Age Limit: 40 years. Qualifications: Essential: (i) Doctorate in Production Engineering from a recognised University or equivalent with specialisation in Industrial Engineering. (ii) At least 3 years' teaching experience of Degree classes. OR (i) Master's Degree in Production Engineering from a recognised University or equivalent with specialisation in Industrial Engineering. (ii) At least 5 years' teaching, research, practical or design experience including at least 3 years' teaching experience of Degree classes.

6. Ten Engineers & Ship Surveyors, Mercantile Marine Department, Ministry of Shipping and Transport. Pay: Rs. 900-40-1100-50-1400-50/2-1500. Age Limit: 35 years. Not relaxable for Government servants. Qualifications: Essential: (i) 1st Class Engineer's Certificate of Competency (Steam and Motor). (ii) Service for 5 years at Sea of which one year must have been served as Chief Engineer or 2nd Engineer.

7. One Assistant Professor in Electrical Engineering (Electronics & Tele-Communication), Delhi College of Engineering, Delhi, Delhi Administration. Pay: Rs. 700-50-1250. Age Limit: 40 years. Qualifications: Essential: (i) At least 2nd Class degree in Electronics & Tele-Communication of a recognised University or equivalent. (ii) Post-graduate Degree in Electronics & Tele-Communication from a recognised University or equivalent with specialisation in Electronics & Tele-Communication. (ii) At least 5 years' experience for Master's Degree holders (3 years for Doctorate degree holders) in research/professional work/teaching at degree level.

8. One Senior Scientific Officer Grade I, Aeronautical Development Establishment, Bangalore, Research & Development Organisation, Ministry of Defence. Pay: Rs. 700-50-1250. Age: Preferably below 40 years. Qualifications: Essential: (i) Second Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised university or equivalent. (ii) About 4 years' experience in a workshop of an Aeronautical Establishment in a responsible capacity.

9. One Lecturer in Electrical Engineering, Boys Polytechnic, Directorate of Technical Education, Delhi Administration, Delhi. Pay: Rs. 400-40-450-30-600-35-670-EB-35-950. Age Limit: 40 years. Qualifications: Essential: (i) Degree in Electrical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About one year's professional or teaching experience.

10. One Chief Administrative Officer, India Security Press, Ministry of Finance. Pay: Rs. 1100-50-1400. Age Limit:

45 years. *Qualifications: Essential:* (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) About 7 years' administrative experience in a responsible capacity in a Government Department or a Commercial Concern of repute.

11. *One Master in English, Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun, Ministry of Defence. Pay: Rs. 325—15—475—EB—25—500—30—680. Age Limit: 35 years. Qualifications: Essential:* (i) At least Second Class Master's Degree in English from a recognised University or equivalent. (ii) Degree or Diploma in teaching or about 3 years teaching experience in a recognised School/College.

12. *Two Investigating Officers, Department of Company Affairs, Ministry of Law, Justice and Company Affairs. Pay: Rs. 350—25—575. Age Limit: 30 years. Qualifications: Essential: Second Class Master's degree in Mathematics or Statistics or Economics or Commerce of a recognised University or equivalent.*

CORRIGENDA

1. *One Technical Assistant (Public Health Engineering), Directorate General of Health Services, Ministry of Health & Family Planning.* Reference item No. 5 of Commission's Advertisement No. 41, published on 13th October 1973. It is notified for general information that the recruitment to the post has since been cancelled. The fee paid by the candidates who have applied in response to Commission's above advertisement will be refunded in due course.

2. *Three Lecturers Commercial Practice, Directorate of Technical Education, New Delhi, Institute of Commercial Practice, Delhi Administration, Delhi.* Reference item 17 of Commission's Advertisement No. 28, published on 14th July 1973. It is notified for general information that the recruitment to the posts has since been cancelled. The fee paid by the candidates who have applied in response to Commission's above advertisement will be refunded in due course.

INDIAN NAVY EXAMINATION, JULY 1974.

The Union Public Service Commission will hold a competitive examination commencing on 2nd July, 1974 for selection of Special Entry Cadets for the Indian Navy.

2. *Age Limits:* Candidates must have been born not earlier than 2nd January, 1953 and not later than 1st January, 1956. THESE AGE LIMITS CAN IN NO CASE BE RELAXED.

3. *Qualifications:* Bachelor's degree in Science with Mathematics and Physics as subjects or Bachelor's degree in Engineering or equivalent. Applications from candidates who have appeared or intend to appear at Degree or equivalent examinations acceptable provisionally.

4. Full particulars and application form obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by remitting Re. 1.00 by money order or on cash payment at counter in the Commission's office. Candidates must clearly state on money order coupons "INDIAN NAVY EXAMINATION, JULY 1974" and also give their names and full postal addresses in block letters. Postal orders or cheques or currency notes not acceptable in lieu of money orders. Full particulars and application forms also obtainable free from NAVAL AUTHORITIES AT PORTS.

5. Completed applications MUST reach Union Public Service Commission on or before February, 1974 (25th February, 1974 for candidates residing abroad and in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).

A. C. BANDYOPADHYAY,
Secretary
Union Public Service Commission

